आज की प्रेरणा

वर्तमान को सुधारें, क्योंकि आज के अच्छे कर्म ही आपके भविष्य का निर्माण करते हैं।

ओम शांति ....
ब्रह्माकुमारीज

एक नई सोच

युग प्रदेश

डाक पंजीयन क्रमांक/एम.पी./भोपाल/1027/2022-2024
आर.एन.आई नं. MPHIN/2013/50124

भोपाल, नर्मदापुरम एवं सागर से एक साथ प्रकाशित

संपादक : भरत अर्जुन मेंघानी | वर्ष : 14 • अंक : 127 | भोपाल, रविवार 6 सितंबर 2026 | पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1.50 रुपए | www.yugpradesh.com

संक्षिप्त समाचार

जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा पर FIR: फर्जी नेटवर्थ दिखाकर रुपए 1,322 करोड़ लोन लेने का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली। सीबीआई ने जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा सहित चार लोगों के खिलाफ रुपए 1,322 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की शिकायत पर की गई है। एलआईसी का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने फर्जी नेटवर्थ सर्टिफिकेट जमा करके अपनी कंपनियों के लिए लोन लिया। बाद में नेटवर्थ सर्टिफिकेट से मुकर गए। सीबीआई ने सुभाष चंद्रा के अलावा पंकज सुरोलिया, अमिश पांड्या और राजीव ढोलकिया पर केस दर्ज किया है। चारों पर 2018 से 2026 के बीच धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और आपराधिक साजिश रचने का आरोप है। सुभाष चंद्रा जी मीडिया के मालिक एस्सेल ग्रुप के हेड हैं और जी एंटरटेनमेंट के पूर्व चेयरमैन हैं।

पटना यूनिवर्सिटी गेट के पास बम धमाके से मची अफरातफरी

एजेंसी, पटना। पटना यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के पास शनिवार दोपहर अचानक हुए तेज धमाके से इलाके में अफरातफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक डबल डेकर पुल की ओर से अज्ञात लोगों ने यूनिवर्सिटी गेट की तरफ बम फेंका। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। धमाके की सूचना मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। टाउन डीएसपी-1 ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं और घटना से जुड़े तमाम पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

पुंछ अटैक में शामिल पाकिस्तानी आतंकी ढेर

एजेंसी, जम्मू । जम्मू-कश्मीर के बडगाम में मार गिराए गए आतंकी की शनिवार को पहचान हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, यह पाकिस्तानी आतंकी यासिर उर्फ अबु तल्हा है और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। यासिर 2024 में पुंछ में एयरफोर्स के काफिले पर फायरिंग में शामिल था। इस हमले में एक जवान शहीद हो गया था। इस आतंकी की तस्वीर पहली बार पहलगाम हमले के दौरान सामने आई थी। उस समय मिली एक फोटो में चार आतंकी थे। इनमें से दो को पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। तीसरे यासिर का अब एनकाउंटर हुआ। चौथा हाशिम मूसा फरार है। सूत्रों के मुताबिक, यासिर का नाम पहलगाम आतंकी हमले की जांच से भी जुड़ा था।

मोदी बोले-श्रीराम कॉलेज के पूर्व छात्र जेन-जी लैंग्वेज में OG : मैं माई-बाप कल्चर के खिलाफ, सच के आगे झूठ की गूंज नहीं टिकेगी

पीएम ने देश के युवाओं पर जताया भरोसा , बोले- आप विकसित भारत बनाएंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

पीएम मोदी 13 साल बाद शनिवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स पहुंचे। कॉलेज की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर पीएम ने जेन-Z को संबोधित किया। उन्होंने कहा- आपकी भाषा में कहूं, तो के पूर्व छात्र OG (ओरिजनल गैंग्स्टर-पुराने खिलाड़ी) हैं। जिन्होंने हर क्षेत्र में धूम मचाई है। वे धुरंधर भले न हों, पर दुनियाभर में धूम तो मचाई है।

पीएम मोदी ने कहा- मोदी माई-बाप कल्चर पसंद करने वालों के सामने चट्टान की तरह खड़ा है। मुझमें हिम्मत है, इसलिए अपना रिपोर्ट कार्ड आपके सामने लेकर आया हूं। मुझे पता है झूठ की गूंज नहीं चलेगी। पीएम ने अपनी स्पीच में 2013 में की गई श्रीराम कॉलेज की यात्रा का जिक्र भी किया। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। मोदी मेट्रो का सफर करके कॉलेज इवेंट में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बच्चों-लोगों से भी बातचीत की। उद्घाटन के बाद 100 रुपए का सिक्का जारी किया।

2014 से बदली तस्वीर, आज लोग फिनटेक के दौर में जी रहे : मोदी ने कहा- 2014 में सरकार बनने के बाद हमने ये करके दिखाया। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं। हाल ही में जनधन योजना को 12 साल पूरे हुए। आज आप फिनटेक के अलग ही दौर में जी रहे हैं। लेकिन 2014 से पहले गांव और छोटे शहरों के बच्चों को सेविंग अकाउंट खुलवाने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता था। इसलिए हम जनधन स्कीम लेकर आए। और पिछले 12 साल में इससे 60 करोड़ नए अकाउंट खुले।

पीएम ने कहा- 2013 में दुनिया भारत को फ्रेजाइल फाइव में गिनती थी : स्पीच में दौरान मोदी बोले- 2013 के समय दुनिया भारत को फ्रेजाइल 5 बता रही थी। अभी दुनिया भारत को 5 सबसे बड़ी इकॉनमी में देख रही है। पिछले हफ्ते ही हमने 7.8प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। ये ऐसे समय में आई है, जब वेस्ट एशिया क्राइसिस चरम पर है। ट्रेड से जुड़ी दिक्कतें हैं। ये भारत की उपलब्धि को दर्शाता है। जो लोग भारत को फ्रेजाइल 5 में धकेलने के लिए आगे रहे हैं, वो इन्हें नहीं मानेंगे पर आप समझते हैं। आज कंज्यूमर डिमांड भी बढ़ रही है। स्टील प्रोडक्शन में 8त्र की ग्रोथ हुई है। यहां भारत ग्रो भी कर रहा है और रोजगार के नए अवसर भी बना रहा है। लेकिन इसके बाद भी 2013 में जिन लोगों के लिए ग्लास आधा खाली था उनके लिए आज भी खाली रहेगा। मैं ग्लास की ही बात कर रहा हूं। संबोधन के दौरान पीएम ने 2013 में दी गई अपनी स्पीच की खास बातें दोहराईं। उन्होंने कहा- उस समय आप सब स्कूल में रहे होंगे। पर आज इंटरनेट पर जाकर उस समय की खबरें पढ़ेंगे तब आपको पता चलेगा उस समय देश में क्या हालत थी। मैं चाहूंगा कि आप इंटरनेट पर पढ़ें। मैं उस वक्त की हेडलाइन की कुछ झलक दिखाना चाहता हूं। स्त्रष्ट पर भारतीय सैनिकों की हत्या। वर्ल्ड बैंक ने त्रष्ठक्क का नंबर घटाया। महंगाई दर 10प्रतिशत के करीब। हेलिकॉप्टर में घूसखोरी और हैदराबाद में ब्लास्ट ये उस समय की हेडलाइंस थीं।

पीएम बोले- मैं छोटे-आसान लक्ष्य रखने वाला आदमी नहीं

प्रधानमंत्री बोले- मैंने कहा था कि मेड इन इंडिया पर काम करने की जरूरत है, तो उस वक्त के लोगों ने इसका विरोध किया। लोगों, आज आप मेड इन इंडिया की ताकत देख रहे हैं। दुनिया के बड़े स्मार्टफोन भारत में बनते हैं। आज भारत 2.5 लाख करोड़ से ज्यादा के मोबाइल एक्सपोर्ट करता है। पीएम ने कहा- मैं छोटे और आसान लक्ष्य रखने वाला आदमी नहीं हूं। मैं बड़े लक्ष्य रखता हूं। पहले भारत के लिए डिफेंस का सामान बाहर से आता था। मैंने कहा 500 चीजों की निगेटिव लिस्ट बनाइए। पहले छोटी-छोटी चीजों के लिए महीनों रुकना पड़ता था। आज भारत की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग ऑल टाइम हाई पर है। आज भारत करीब 2 लाख करोड़ का डिफेंस प्रोडक्शन कर रहा है। 2014 में हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट कुछ सौ करोड़ था, आज ये आंकड़ा 40 हजार करोड़ का है।

मेट्रो परियोजना परिवहन तंत्र को आधुनिक बनाने के साथ ही शहर के विकास को नई गति प्रदान करेगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

लोक परिवहन के क्षेत्र में इंदौर को मिली बड़ी सौगात

युग प्रदेश संवाददाता | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन का विस्तार केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत है। आज मेट्रो का नया चरण शुरू हुआ है और आने वाले समय में इसके और चरण पूरे होंगे। मेट्रो के माध्यम से इंदौर को उज्जैन और पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य क्रमशः आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में मेट्रो ट्रेन के नये चरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेट्रो के पहले चरण को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब इसका विस्तार शहर के अंदरूनी क्षेत्रों तक हो रहा है। यह सिलसिला लगातार आगे बढ़ेगा और आने वाले समय में मेट्रो इंदौर सहित पूरे मालवा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को नयी दिशा देगी। इंदौर के मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर तक मेट्रो कॉरिडोर का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय आवास एवं शहरी राज्य मंत्री तोखन साहू, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, मधु वर्मा तथा सुउषा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद थे।

उज्जैन-इंदौर-मुंबई कनेक्टिविटी को मिलेगा नया विस्तार, 17 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर, 16 स्टेशन

इसके साथ ही मेट्रो के उज्जैन तक विस्तार का संकल्प भी लिया गया है। इससे उज्जैन और इंदौर सहित आसपास के पूरे महानगरीय क्षेत्र को एकजुट करने में मेट्रो महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि माँ देवी अहिल्या की नगरी इंदौर विकास और विरासत दोनों क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज मेट्रो का सफर गांधीनगर से मालवीय चौराहे तक आगे बढ़ रहा है। इस कॉरिडोर की लंबाई 17 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन शामिल हैं।

यह परियोजना इंदौर के परिवहन तंत्र को आधुनिक और सशक्त बनाने के साथ ही शहर के विकास को नयी गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सहित सभी संबंधित अधिकारियों और मेट्रो परियोजना से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इंदौर को लगातार मिल रही विकास की सौगातों का सिलसिला इसी तरह आगे भी जारी रहेगा।

ग्वालियर के चेतकपुरी चौराहा पर चलती स्लीपर बस में लगी भीषण आग, कूदकर बचाई 20 यात्रियों ने अपनी जान

युग प्रदेश संवाददाता | ग्वालियर

ग्वालियर में शनिवार रात भोपाल जा रही शरद ट्रैवल्स की वीडियोकोच बस में भीषण आग लग गई। चेतकपुरी स्थित विवेकानंद तिराहे पर रात करीब 9:30 बजे बस के पिछले हिस्से से अचानक लपटें उठीं। बस में करीब 25 यात्री सवार थे। आग फैलते ही यात्रियों ने खिड़कियों के कांच फोड़े और दरवाजे से कूदकर जान बचाई। हादसे में बुजुर्ग हार्ट पेशेंट धुएं के कारण बेहोश हो गए। उन्हें मौके पर CPR देकर उसकी जान बचाई। बुजुर्ग को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है।

बस स्टैंड से निकलने के आधे घंटे बाद भर गया धुआं : बस रात करीब 9 बजे ग्वालियर रोडवेज बस स्टैंड से भोपाल के लिए रवाना हुई थी। करीब आधे घंटे बाद विवेकानंद तिराहे के पास यात्रियों को बस के अंदर धुआं दिखाई दिया। यात्रियों ने चालक और क्लीनर को इसकी जानकारी दी। इसके कुछ देर बाद बस तिराहे पर यात्रियों को बैठाने के लिए रुकी, तभी पिछले हिस्से से तेज लपटें उठने लगीं।

11 आईएएस के तबादले, महिला बाल विकास विभाग में विवादों में रही निधि को हटाया

युग प्रदेश संवाददाता | भोपाल

महिला बाल विकास विभाग में अधिकारियों के साथ अभद्रता और कर्मचारियों नोटिस देने के बाद प्रदेशव्यापी हड़ताल के कारण विवादों में रही आयुक्त महिला एवं बाल विकास निधि निवेदिता और अपर संचालक स्तर की बैठक में महिला अधिकारियों के साथ अभद्रता करने वाली आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं की संचालक नेहा मारव्या को राज्य सरकार ने हटा दिया है। उनके स्थान पर नये अधिकारियों पोस्टिंग की गई है। राज्य सरकार ने सीएम के दुबई दौरे से पहले 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले आदेश जारी किए है। इनमें अपर सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी शामिल है। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य प्रशासनिक सेवा के छह अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौपी है। इनमें जिला पंचायतों के सीईओ और सिहस्थ के अपर मेला अधिकारी स्तर के अधिकारी शामिल है। महिला एवं बाल विकास विभाग में आयुक्त निधि निवेदिता द्वारा एक सप्ताह पहले संयुक्त संचालक स्तर के अधिकारियों से डांट फटकार की थी। इसके बाद कई कर्मचारियों को नोटिस भी थमाए गए थे। इसको लेकर पहले मुख्यालय स्तर पर फिर राज्य स्तर पर कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी थी। शासन स्तर पर हस्तक्षेप के बाद कर्मचारी काम पर लौटे थे। इसके पहले आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं की संचालक नेहा मारव्या भी अपर संचालक स्तर की महिला अधिकारियों से अभद्रता के चलते विवादों में आई थी। उनकी मुख्य सचिव से शिकायत हुई थी। महिला बाल विकास विभाग की आयुक्त निधि निवेदिता को महिला बाल विकास विभाग से हटाकर प्रमुख राजस्व आयुक्त बनाया गया है। उनकी जगह श्रम आयुक्त् संदीप जीआर को महिला एवं बाल विकास विभाग में आयुक्त तथा मिशन संचालक हटल बिहारी बाजपेयी आरोग्य एवं पोषण मिशन की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं आदिम जाति क्षेत्रीय योजनाएं के संचालक पद से हटाई गई नेहा मारव्या को अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम में प्रबंध संचालक बनाया गया है। सागर संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी को एमडी राज्य भंडार गृह निगम बनाया गया है वहीं अनुराग वर्मा को इस अतिरिक्त जिम्मेदारी से मुक्त करते हुए केवल राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के एमडी की जिम्मेदारी तक सीमित रखा गया है। दिलीप कुमार को उद्योग आयुक्त के पद से हटाकर सागर संभाग का आयुक्त बनाया गया है। वहीं अनुभा श्रीवास्तव को पीआरसी से सचिव राजस्व की जिम्मेदारी दी गई है। सतेन्द्र सिंह को सचिव पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याणसा तथा सचिव अनुसमचित जाति कल्याण तथा आयुक्त अनुसूचित जाति विकास तथा एमडी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम और आयुक्त सह संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

नेपाल बाढ़- 11वें दिन 2 लोग जिंदा मिले

एजेंसी | काठमांडू/नई दिल्ली

नेपाली सेना की रेस्क्यू टीम ने महिला के रेस्क्यू का वीडियो जारी किया है। वह मिट्टी और कीचड़ में लगभग पूरी तरह दबी हुई थीं। नेपाल में भीषण बाढ़ के 10 दिन बाद भी हजारों लापता लोगों की तलाश जारी है। इसी बीच शनिवार को राहत और बचाव दलों ने अलग-अलग अभियानों में एक चीनी नागरिक और एक नेपाली महिला को जिंदा बचा लिया। नुवाकोट में 64 साल की महिला का रेस्क्यू किया गया। उनके घर का निचला हिस्सा मोटी कीचड़ की परत में पूरी तरह दब गया था और वह उसी में फंस गई थीं। उन्हें इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर काठमांडू ले जाया गया है। वहीं, नेपाली सेना और दक्षिण कोरिया की रेस्क्यू टीम ने त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की एक सुरंग से चीनी व्यक्ति को बाहर निकाला। वह करीब 225 मीटर (740 फीट) लंबी सुरंग के अंदर था। बचाव के बाद उसकी स्वास्थ्य जांच की जा रही है।

सोना 24 कैरेट: 1,53,800 सोना 22 कैरेट: 141500
सोना 20 कैरेट: 129200, सोना 18 कैरेट: 116900
चांदी प्रति किलो: 233000 (रेट प्रति 10 ग्राम में)
उपरोक्त भाव में आभूषणों की बनवाई तथा बिक्री कर (GST) सम्मिलित नहीं है

संकट के समय कोई साथ देने नहीं आ रहा...

कंवरराम चौराहे से युग प्रदेश

युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर

शहर के व्यापारी जो सत्ताधारी दल के नेताओं की एक आवाज पर हर बात मान लेते है और एक पैर पर खड़े हो जाते है यही नहीं घंटों सड़क पर स्वागत के लिए इंतजार में खड़े हो जाते है पर उन्ही व्यापारियों पर जब संकट के बादल मंडराने लगते है तो तब ये नेता कहा चले जाते है। व्यापारियों पर हाल ही में आये संकट के समय भी कोई साथ देने के लिए आगे नहीं आया चाहे इसमें आदरणीय,सम्मानीय हो या माननीय कोई भी मदद तो दूर हौंसला बढ़ाने तक नहीं आया। भले ही मामला बड़े स्तर का हो पर स्थानीय स्तर पर तो व्यापारियों की मदद की जा सकती है वहां तो दबदबा इन्ही का है क्षेत्र में तो कम से कम कार्रवाई टाली जा सकती थी पर ऐसा नहीं हुआ और कार्रवाई हो गई। व्यापारी इस मुसीबत से बाहर निकलने के लिए खुद ही हाथ पैर चला रहे है और बैठके कर रणनीति बना रहे है। कहा जाता है ना अच्छे समय में तो सब साथ होते है पर बुरे समय मे कोई साथ खड़ा नहीं होता है ऐसा ही व्यापारियों के साथ हो रहा है। विगत दिंनो हुई बैठक में भी यही मुद्दा उठा था कि सम्मान करना और पैर छूना बंद करो जब जनता मुसीबत में है तो जनसेवक आराम फरमा रहे है। कोई भी आगे आकर साथ नहीं दे रहा है इसका मतलब साफ है कि जब इनको हमारी जरूरत होगी तब ये आगे आ जाएंगे ओर जब हमें इनकी जरूरत होगी तब ये दूरियां बना लेंगे। जनता सड़कों पर है परेशान है व्यवसाइयों की नींद उड़ी हुई है फिर भी दुख की घड़ी में नेता हमारे बीच आकर हौंसला तक नहीं बड़ा रहे है खामोश बैठे हुए है। कुछ दुकानों पर कार्रवाई हुई तब भी कोई विरोध नहीं दिखाई दिया था और ना ही ऐसे रुकवाया गया जबकि सब कुछ हो सकता था। और हुआ नहीं क्योंकि इसके लिए प्रयास ही नहीं हुए।

युवा नहीं झेल पा रहे स्ट्रेस दिमाग पर ले रहे...

वर्तमान युवा पीढ़ी की अगर बात करें तो वो भले ही देखने में मजबूत है पर अंदर से कमजोर है जिनमें पहले जैसी सहनशक्ति नही है जो स्ट्रेस नहीं झेल पा रही है तनाव को पूरी तरह अपने ऊपर हावी होने दे रही है टेंशन और तनाव दिमाग पर हावी होने से उसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ रहा है खान पान से लेकर,सोने, उठने में लापरवाही भारी पड़ रही है अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने की होड़ युवाओं को कमजोर बना रही है इसलिए ही छोटी आयु के युवाओं को भी हार्ट अटैक आना सामान्य बात हो गई है अपने शहर में ही इस वर्ष कई युवाओं को यह समस्या आ चुकी हैं। कुछ तो छोटी आयु में ही अपनी जान गवा चुके है। विगत दिनों भी एक युवक को दुकान पर थोड़ी तकलीफ हुई और घर पहुँचते ही निधन की खबर आ गई जिसका किसी को विश्वास नहीं हुआ क्योंकि युवक दिनभर दुकान पर सभी के साथ मौजूद था। टेंशन और तनाव साथ लेकर ना चले जब भी कठिनाई आये तो प्रभु का स्मरण करें या बात को एक दूसरे से शेयर करें इससे तनाव कम होगा।

संस्थाओं के कप्तान डम्मी है क्या...

क्षेत्र में अलग अलग प्रकार की कई संस्थाएं तो बनी हुई है पर इनके जो कप्तान बनाएं गए है वो लगता है केवल नाम के लिए है क्योंकि कभी उन्हें बोलते हुए या डिसीजन लेते हुए नहीं दिखा है क्या ये कप्तान डम्मी तौर पर काम कर रहे है क्या यह चर्चा अब चौक चौराहों पर खूब हो रही है एक दो बार तो दौरे के दौरान माननीय भी बोल चुके है कि डम्मी कप्तान कहा है। यह सुनकर सभी हंसे भी खूब थे शहर में संस्थाए तो बन रही है पर जिन्हे शामिल किया जा रहा है वो पहले से ही किसी ना किसी संस्था से जुड़े हुए है लोग भी नहीं मिल रहे है। संस्थाओं की गतिविधियां क्या है ये तो और कोई नहीं वो खुद ही बताएंगे क्योंकि कुछ करें तो बताए इनमें से कुछ तो ऐसी संस्थाए है जो साल या 6 माह में एक बार ही जागती है। बाकी समय तो कुंभकर्णीय नींद में सो जाती है। इन सब के बीच डम्मी कप्तान की चर्चाएं खूब हो रही है।

बड़े गोलमाल में रात के अंधेरे में आयें और लेकर चले....

ये क्या बात हुई रात के अंधेरे में तंग गलियों से आये मुलाजिम शहर से कुछ युवकों को लेकर चले गए जिसकी भनक तक किसी को नहीं होने दी अब जब पता लगा है तो इसी मामले की खूब चर्चा हो रही है। दअरसल खबर लगी है कि बड़े गोलमाल के चलते 2 युवकों को बाहर से आई सीक्रेट टीम अंधेरे में लेकर चली गई है। मामला ऑनलाइन पैसो के ट्रांजेक्शन से जुड़ा है जिसमें फर्जी तरीके से दूसरे लोगो का अकाउंट यूज कर पैसे ट्रांसफर किये गए है इसके लिए कमीशन का खेल खूब चला है अब सीक्रेट टीम मामले की कड़ी तक पहुँचने में लगी हुई है और इसका मुख्य सरगना कौन है उसकी तलाश कर रही है बताया जा रहा है इस खेल में एक कालोनी के कई लोग शामिल है जो राशि अकाउंट में ट्रांसफर करवाते है। दो युवकों के बाद अन्य की जानकारी जुटाई जा रही है मामला छोटा मोटा नहीं बल्कि करोड़ो का है और कई लोगो की चेन बनी हुई है। दूर दराज से आई सीक्रेट टीम गलियों से होते हुए युवकों के घर तक पहुँची थी अब देखना है कि टीम की कार्रवाई कहा तक पहुँचती है और कब खुलासा होता है कमीशन के लालच में कई दिनों से खेल चल रहा था और कई युवक खूब ऐश कर रहे थे। सारा काम अलग अलग साईड से ऑनलाइन होने की बात सामने आई है। कई दिनों से युवक उन्ही टीम की कस्टडी में है। अंदर खाने से खबर है कि सेटिंग के भी खूब प्रयास हो रहे है पर सफलता नहीं मिल रही है। जो युवक इस गोलमाल में शामिल है उन्होंने ऐश भी जमकर किया है। अब भूमिगत हो गए है।

आधे उधर जाओ आधे इधर और बाकी मेरे साथ...

एक प्रसिद्ध फिल्म का डायलाग आधे उधर जाओ आधे इधर बाकी जो बचे है वो मेरे साथ आओ इसका इस्तेमाल ये तो मेरा दोस्त कहने वाले संघ के कप्तान ने विगत दिनों खूब किया दअरसल हुआ यूं कि कप्तान के पास पूर्व माननीय आप बताओ क्या करना है का काल आया जिन्होंने कप्तान को पीसी के लिए बुलाया था पर वो वहां जाते तो फिर कंट्रोवर्सी हो जाती है इसलिये कप्तान ने इससे बचने के लिए नेताओं की तरह फील्डिंग जमाई और कुछ व्यापारियों को वहां भेज दिया और कुछ को अन्य काम पर लगाने के बाद खुद प्रमुख व्यापारियों के साथ माननीय से मिलने पहुँच गए और किसी को कोई दिक्कत नहीं है अब क्या करें समय की निजाकत को देखते हुए कप्तान ने फील्डिंग जमाई। फिल्म में तो यह डायलाग जेलर ने अनाड़ियों की तरह दिया था पर कप्तान ने इसी डायलाग को कप्तान ने बुध्दि के साथ उपयोग किया और सब कुछ सेट कर दिया। काम भी हो गया और किसी को कोई दिक्कत भी नहीं हुई। ये तो मेरा दोस्त है कहने वाला व्यापारी नहीं बल्कि राजनीति की पाठशाला भी सीख गया है जो जरूरी भी है। गम्भीर मामले को लेकर माननीय से खुद मिले वही दूसरी तरफ पूर्व माननीय के पास सदस्यों को भेज दिया।

मामला कही और का था पर इसकी आंच दूर दूर तक जा...

खाया पिया कुछ नहीं और गिलास फोड़ा बारह आना जैसा काम शहरवासियों के साथ हुआ है और घर बैठे ही मुसीबत आ गई है जबकि मामला कही और को था और भुगतना सबको पड़ रहा है। दरअसल हम बात कर रहे है आवासीय कालोंनियो में व्यवसायिक गतिविधियों की जिसको लेकर शिकायत कही और की की गई थी पर इसकी आंच दूर-दूर तक जा पहुँची है जिससे सभी व्यवसाइयों की चेन की नींद उड़ गई है। मामला उच्च स्तर का होने से विभाग भी मजबूर हो गया है और कार्रवाई कर रहा है कार्रवाई भी ऐसी की जमे जमाएं व्यवसाय को सील किया जा रहा है मामले में जहां की शिकायत हुई थी वहां पर कार्रवाई के साथ पूरा शहर चपेट में आ गया है क्या यह सही है जहां आपत्ति है वही एक्शन लिया जाता तो शहर में हड़कंप नहीं मचता और मामला सुलझ जाता पर ऐसा नहीं हो रहा है। पूरे क्षेत्र में कार्रवाई से फिलहाल व्यवसाई टेंशन में है और उन्हें अपने व्यवसाय उझडने का डर सत्ता रहा है। जल्द ही कोई समाधान नहीं निकला तो व्यापारी संकट में आ जायँगे। डर भी इतना है कि सीलिंग की कार्रवाई से बचने व्यवसाई खुद ही ताले लगा रहे है।

चलते-चलते : एक बाहर तो दूसरे नेता की हुई एंट्री...

चलते-चलते हम बात करते है उन दो नेताओं की जिसमें एक युवा नेता जो सक्रिय है तो दूसरा नेता निष्क्रिय था पर निष्क्रिय नेता की अचानक से एंट्री हुई और सक्रिय विदेश यात्रा पर निकल गए है। व्यापारियों से जुड़े मुद्दे पर आप ही बताओ क्या करना है कहने वाले पूर्व माननीय ने एंट्री मार दी और क्षेत्र में व्यापारियों से सम्पर्क करते हुए बयान भी जारी किया व्यक्तिगत रूप से भी व्यपारियो से बात की गई नेता जी के सक्रिय होते ही फिर बात निकली की लगता है चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी है। वही सक्रिय युवा नेता डबल एच अचानक से विदेश यात्रा पर निकल गए है जब भी युवा नेता की जरूरत होती है तब तब वो गायब हो जाते है ये युवा नेता लगता है कार्यक्रम व आयोजनों के लिए है मुसीबत और संकट आने पर निष्क्रिय हो जाते है यहां पर व्यापारी टेंशन में है और ये युवा नेता विदेश में सैर कर रहे है।

आखिर ये डबल रोल का खेल कब तक चलेगा...

अजब शहर की गजब कहानी की अगर बात करें तो हम इस बार उन लोगों की बात करते है जो डबल रोल की भूमिका में रहते है ऐसे एक नहीं बल्कि कई है ये लोग सामने तो कुछ होते हो और पीछे उनका दूसरा रूप नजर आता है। विगत दिनों भी शहर में आये संकट से निपटने के लिए व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई जिसका उद्देश्य था कि सभी मिलकर मुसीबत से निपटने के लिए महासंघ का गठन करें और उसका नेतत्व कैसे सौंपा जाए। काफी विचार विमर्श के बाद सहमति के साथ यह जिम्मेदारी सक्रिय व्यापारी को दी गई जो बीते कुछ सालों से संघ व अन्य व्यवसाई संघ का नेतत्व कर रहे है। क्योंकि बैठक में दूर दूर तक कोई नजर नहीं आ रहा था जो नेतत्व कर सकें। अब जब तय हो गया तो बैठक के बाहर विरोध के सुर भी सुनाई दिए और विरोध भी वो कर रहे है जिंन्हे नेतृत्व करने की क्षमता नहीं है अगर आपत्ति थी तो खुले मंच पर क्यों नहीं जताई गई यह डबल रोल की भूमिका क्यो अंदर कुछ नहीं बोलते बाहर आते ही बोलने लगते हो यह एक मामला नहीं है ऐसा हर मामले में होता है अगर बोलना है तो खुलकर अपनी बात रखो आप स्वतंत्र हो अपनी बात रख सकते है आज तक चुप्पी साधी हुई है तभी तो बदलाव नहीं होता है पर करें क्या शहर ही अजब है तो लोग गजब ही होंगे और डबल रोल की भूमिका निभाते रहेंगे चोर को बोलेंगे चोरी करो मुलाजिमों को बोलकर आएंगे पकड़ों यह परंपरा सालों से चली आ रही है इसलिए इन की परवाह मत करों और अपना काम करते रहो कोई कुछ भी कहे पर काम हमेशा बोलता है।

सड़के हुई बदहाल फैली कीचड़ से लोगो का निकलना हुआ मुशिकल

युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर

उपनगर में बारिश होते ही एक बार फिर सड़को पर जलभराव की स्थिति निर्मित होने से लोगो को परेशानियों का सामना करना पड़ा सड़को पर पानी भरने से आवागमन करने के लिए रहवासियो को मशक्कत करनी पड़ी। वही दूसरी तरफ वार्ड 4 अंतर्गत सीआरपी क्षेत्र में पाईप लाईन डालने के लिए सड़क की खुदाई कर दी गई फिर क्या था पूरा मार्ग ही बदहाल हो गया और चारो तरफ कीचड़ फैल गई जहां से निकलते समय लोग व वाहन चालक फिसल रहे थे रहवासियो के घरो तक कीचड़ फैल रही थी अभी तक समतलीकरण तक नही किया गया है मार्ग बदहाल हो गया इसके अलावा पीएनबी मार्ग, डॉक्टर गुलानी,शनि मंदिर,मुख्य मार्ग, प्रेमरामचंदानी मार्ग,सीआरपी,बी वार्ड सहित अन्य मार्ग बदहाली बंया कर रहे थे। सड़को पर गड्ढे और कीचड़ यहां की पहचान बन गए है ठंडी सड़क भी चारो और से गड्ढो का रूप ले चुकी है।

लगातार हो रही बारिश से आज से मिलेगी राहत

मौसम : बारिश से जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त, लाईट की बड़ी समस्या

राजधानी में गुरुवार से शुरू हुआ बारिश का दौर लगातार तीसरे दिन शनिवार को भी जारी रहा इस दौरान कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश देखने को मिली बिना रुके हो रही बारिश से जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया सड़को पर जलभराव की स्थिति निर्मित होने से लोगो को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। निरंतर जारी बारिश से आज से राहत मिल सकती है मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी रहेगा दोपहर बाद बारिश से राहत मिल सकती है और सोमवार से मौसम साफ होने लगेगा। बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है शनिवार को राजधानी में रुक रुक कर बारिश होती रही कभी तेज तो कभी बूंदाबांदी देखने को मिली।

बारिश के कारण लाईट की बड़ी समस्या, लोग हुए परेशान

बारिश के दौरान उपनगर में लाईट की समस्या भी बढ़ गई लाईनों में फाल्ट से लोगो की लाईट बन्द हो गई लाईट बन्द की शिकायतों का अंबार लगने से लोगो को परेशानियों का सामना करना पड़ा लाईट बन्द की शिकायत का समाधान करने में कई घण्टो लग रहे थे शिकायत दर्ज करने के बाद भी लाईट की समस्या का समाधान घण्टो नही हो रहा है उपभोक्ता भी शिकायत करने के बाद कार्यलय के चक्कर लगा रहे थे बारिश के कारण लाईनों में खराबी आने से उपभोक्ताओं की लाईट गुल हो गई थी।

निगम के 28 कर्मचारियों के दायित्व में हुआ फेरबदल

कई दिनों से बिना वार्ड प्रभारी के चल रहे थे कार्यलय

युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर

नगर निगम अपर आयुक्त द्वारा जारी आदेश के तहत 28 सहायक राजस्व निरीक्षक, उप सहायक राजस्व निरीक्षक व अन्य कर्मचारियों के कार्य मे फेरबदल करते हुए वार्डो की जिम्मेदारी दी गई है कई दिनों से कई वार्ड बिना वार्ड प्रभारी के चल रहे थे जबकि 31 अगस्त तक नगर निगम संपति कर में छूट का लाभ दे रहा था पर इस दौरान वार्ड प्रभारी ही नही थे। बाबूओं व 25 दिवसीय कर्मचारियों के भरोसे ही वार्ड चल रहे थे जारी आदेश के तहतसुमित सेन (सहायक राजस्व निरीक्षक) को वार्ड 6 से वार्ड 3 का वार्ड प्रभारी, पर्व प्रताप करैया को मुख्यालय से वार्ड प्रभारी वार्ड 6, अमितोज सिंह ठाकुर को मुख्यालय से वार्ड प्रभारी वार्ड 7, मोहम्मद परवेज को वार्ड क्रमांक 64 से वार्ड प्रभारी वार्ड 8, आदिल खान को जोन क्रमांक 8 से वार्ड प्रभारी वार्ड 11, अरविन्द्र कुमार शाक्य को एचएफ़ए शाखा से वार्ड प्रभारी वार्ड 12, अनिल साहू को जन्म मृत्यु शाखा मुख्यालय से वार्ड प्रभारी वार्ड क्रमांक 14, नितिन कुमार अरुणाकर जन्म मृत्यु शाखा मुख्यालय से वार्ड प्रभारी वार्ड 15, अनस आलम फारूकी को वार्ड 64 वार्ड प्रभारी वार्ड 18, मनोज राजे को जोन 15 से वार्ड प्रभारी वार्ड 19, चरण सिंह खंगराले को परिषद कार्यलय से वार्ड प्रभारी वार्ड 21,संकल्प जैन को मुख्यालय से वार्ड प्रभारी वार्ड 22, आराधना बघेल को जोन 19 से वार्ड प्रभारी वार्ड 27, निर्मला मालवीय को जोन 13 से वार्ड प्रभारी वार्ड 29, नेहा जैन को मुख्यालय से वार्ड प्रभारी वार्ड क्रमांक 31, वर्षा ठाकुर को जोन 5 उद्यान विभाग से वार्ड प्रभारी वार्ड 33, मुताहिर मोहम्मद खान को जोन 10 से वार्ड प्रभारी वार्ड 35, ज्योति सोलंकी सरानि को जोन 12 से वार्ड प्रभारी वार्ड 44, अंजलि श्रोती को वार्ड 5 से वार्ड प्रभारी वार्ड 46, अंकित धूसर को वार्ड प्रभारी वार्ड 27 से वार्ड प्रभारी वार्ड 60, अब्दुल कादिर कुरैशी को एचएफ़ए शाखा से वार्ड प्रभारी वार्ड 63, कपिल बंसल को वार्ड प्रभारी वार्ड 69 से वार्ड प्रभारी वार्ड 68, विशाखा राजौरिया को वार्ड प्रभारी वार्ड 68 से वार्ड क्रमांक 69, सुनीता बाथम को वार्ड क्रमांक 71 का वार्ड प्रभारी बनाया गया है , कुलदीप पटेल को वार्ड प्रभारी वार्ड 15 से वार्ड प्रभारी वार्ड 75, सुनील सूर्यवंशी को जनगणना शाखा से वार्ड प्रभारी वार्ड 77, शिवानी सौदे को वार्ड प्रभारी वार्ड 71 को वार्ड 26 राजस्व विभाग, प्रियंका पाल को जोन 20 से वार्ड 60 में राजस्व विभाग की जिम्मेदारी सौपी गई है। सभी कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने हेतु एक पक्षीय रूप से कार्यमुक्त किया जाता है। उपरोक्त समस्त कर्मचारी नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

स्व. गोविन्द वासवानी ने किया नेत्रों का दान

संतनगर। उपनगर निवासी गोविन्द वासवानी का देहावसान शुक्रवार को हो गया था।दिवंगत प्राणी के भाई गोपाल वासवानी ने अपने बड़े भाई की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जायेंगे। सेवा सदनअस्पताल ने अभी तक 2,363 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपितकर नेत्र ज्योति प्रदान की है। सेवासदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के सचिव हीरोवज्ञानचंदानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवारजन के प्रतिस्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

शिक्षक दिवस गरिमापूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर

गुरु वह दीप है जो स्वयं जलकर असंख्य जीवनों में ज्ञान और संस्कार का प्रकाश भरता है। शिक्षक दिवस के अवसर पर मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया।संस्थान के अध्यक्ष परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के पावन आतिथ्य एवं संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी की उपस्थिति में कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने कहा कि शिक्षक केवल पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थी के व्यक्तित्व, चरित्र और संस्कारों का निर्माता होता है। शिक्षक के समर्पण और संस्कारों से ही सशक्त समाज एवं श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने शिक्षकों से अपने दायित्व को सेवा, संवेदना और समर्पण की भावना से निभाने का आह्वान किया।

घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि शिक्षक किसी भी शिक्षण संस्था की आत्मा होते हैं। उनकी निष्ठा, मेहनत और सकारात्मक सोच ही विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं विद्यार्थियों की सफलता का आधार है। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती रेखा केवलानी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान नही देते बल्कि विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा और संस्कार भी प्रदान करते हैं।

विद्यार्थियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की जीवनी, रॉक बैंड, काव्य-पाठ, भाषण, युगल नृत्य, लघु नाट्य प्रस्तुति एवं समूह नृत्य सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति अपनी श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

शिक्षक दिवस पर 101 गुरुओं का किया गया सम्मान

मिट्टी के गणेश जी भेंट कर शॉल-श्रीफल से किया गया सम्मानित

संतनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर सिंधु सेना भोपाल द्वारा 101 गुरुजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी गुरुजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से निर्मित गणेश जी की प्रतिमाएं भी भेंट की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भोपाल सांसद आलोक शर्मा उपस्थित थे। उन्होंने गुरुजनों का सम्मान करते हुए कहा कि गुरु हमारे जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। माता-पिता के बाद गुरु ही व्यक्ति के जीवन में ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समाज और राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों का योगदान अतुलनीय है। सिंधु सेना के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कि गुरु केवल शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे बच्चों के जीवन में संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के बीज भी बोते हैं। शिक्षक दिवस पर 101 गुरुजनों का सम्मान करना हमारे लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से गुरुजनों को मिट्टी के गणेश जी भेंट कर यह संदेश दिया गया है कि हम स्वयं भी मिट्टी के गणेश जी स्थापित करें और अपने विद्यार्थियों एवं समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें।कार्यक्रम में देवेंद्र भार्गव, महेश मकवाना, राजा शर्मा, भगवानदास धालिया, अतुल घेंघट, लक्ष्मी महाजन, दीपक खेमानी, जीतू रतनानी, दीपक रजानी, राज मकोरिया, सिद्धार्थ जैन सहित बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित थे।

कान्हा के जन्मोत्सव की रात भर रही धूम, मंदिरों, दरबारों में हुए आयोजन

संतनगर। उपनगर में गत दिवस लड्डू गोपाल का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया रात्रि को 12 बजते ही बारिश के बीच भक्तो ने कान्हा का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया और भजनों के साथ नाचते गाते हुए जयकारें लगाएं। देर रात तक जन्मोत्सव मनाया गया इस दौरान स्टेशन मार्ग स्थित राधा कृष्ण मंदिर पर भक्तो की भारी भीड़ के बीच जन्मोत्सव मनाया गया यहां पर रातभर भक्तो की भीड़ दर्शन के लिए पहुँची थी बिना रुके दिनभर प्रसाद का वितरण हुआ लगभग 1 दिन में 5 क्विंटल प्रसाद का वितरण किया गया। इसके अलावा सुख सागर दरबार में बाबा रामदास उदासीन के सानिध्य में जन्मोत्सव मनाया गया रात को भजनों के साथ भगवान कृष्ण के जीवन पर प्रकाश डाला गया देर रात तक दरबार मे भक्तगण मौजूद थे। इसके अलावा वन ट्री हिल्स स्थित टेंपल ऑफ़ सम्बोधि में लाल साई की मौजूदगी में लड्डू गोपाल का जन्मोत्सव मनाया गया एफ़ वार्ड,एच वार्ड स्थित दरबारों में भी कार्यक्रमो काँश आयोजन किया गया था। देर रात्रि तक उपनगर में कान्हा के भजनों व जयकारों की गूंज सुनाई दे रही थी।

ब्रीफ न्यूज

बाइक स्टैंड पर लगा रहे चाय दुकान संचालक की गिरने से हुई मौत

भोपाल । राजधानी के चार इमली इलाके में बने साईं बाबा मंदिर के पास एक चाय दुकान संचालक अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर रहा था तभी वह मोटरसाइकिल सहित जमीन पर सर के बल जा गिरा, उसके सिर में गंभीर चोट आई थी इसके चलते परिजन उसे फैक्कर अस्पताल ले गए थे जहां 1 घंटे बाद उसकी मौत हो गई। इस मामले की जानकारी देते हुए हबीबगंज थाना के सब इंस्पेक्टर नारायण दुबे ने हमारे संवाददाता को बताया कि चार इमली इलाके के ऋषि नगर में 54 साल का शेख अशरफ रहता था वह गौतम नगर इलाके में एक चाय की दुकान चलाता था ।अशरफ शुक्रवार की शाम 5 बजे के करीब अपने घर के पास बने साईं बाबा मंदिर के पास अपनी बाइक स्टैंड पर लगा रहा था और गाड़ी स्टैंड पर तो नहीं लगी वह गाड़ी सहित जमीन पर जाकर रहा उसके सिर में गंभीर चोट आई थी जिसके चलते फैक्कर अस्पताल में उसकी मौत हो गई पुलिस मामले में मर्ग कायम किया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। उधर एक्सीडेंट का दूसरा मामला सुखी सेवनिया इलाके के श्यामपुर के पास सामने आया है यहां शुक्रवार की रात को 11 बजे इस इलाके में रहने वाला 24 साल का ऋतिक मीणा अपनी बाइक से अपने घर लौट रहा था तभी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी और टक्कर मारने के बाद वाहन चालक अपने वाहन को भगा ले गया था इस दुर्घटना में ऋतिक बुरी तरह से घायल हो गया था लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस पुलिस के द्वारा उसे पास के अस्पताल ले जाया गया था जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।इस मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उसकी सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से तलाश कर रही है।

दो युवतियों ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले युवक के खिलाफ दर्ज कराया मामला

भोपाल । राजधानी के अवधपुरी इलाके में रहने वाली एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करने वाली युवती ने अपने कथित प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया । इस मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सुरेश मीणा ने हमारे संवाददाता को बताया कि थाने पहुंची 28 साल की युवती ने बताया कि वह एक बड़ी कंपनी में ऑनलाइन जॉब करती है उसकी जान पहचान 1 वर्ष पूर्व जसप्रीत सिंह के साथ हुई थी जसप्रीत ने उसे शादी का झांसा दिया था इसको लेकर युवती 15 दिन पहले थाने में आकर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था और फिर अपने और जसप्रीत के परिजनों के साथ तीन दिन बाद थाने जाकर कैस वापस ले लिया अब फिर शुक्रवार को वह अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची और जसप्रीत के खिलाफ रेप का मामला दर्ज करने की जिद करने लगी । थाना प्रभारी और परिजनों ने समझाया परंतु उसने कहा कि जसप्रीत बेरोजगार है इसलिए वह उसके साथ शादी नहीं करना चाहती । इसके बाद पुलिस ने जसप्रीत के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है । उधर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का दूसरा मामला कोहेफिजा इलाके के शहीद नगर में सामने आया यहां रहने वाली 29 साल की युवती ने थाने पहुंची और पुलिस को बताया कि उसकी जान पहचान इलाके में रहने वाले आदिल खान से थी आदिल 5 साल से उसके साथ शादी का झांसा देकर अपने साथ रख कर दुश्कर्म कर रहा था और अब आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया पुलिस ने दोनों ही मामलों में आरोपियों के खिलाफ 376 वीएनएस धारा के तहत मामला दर्ज किया है और कार्रवाई शुरू कर दी है ।

गांजा तस्कर महिला से गौतम नगर पुलिस ने घर में रखे दो लाख रूपए किये बरामद

भोपाल । राजधानी की गौतम नगर थाना पुलिस ने इस इलाके में चल रहे गांजा तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्कर के निवास पर छापा मारा जहां पर पुलिस को गांजा तो कम संख्या में बरामद हुआ परंतु पुलिस ने महिला के पास से करीब दो लाख रुपए नगदी बरामद की हैं । इस मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ठाकुर ने हमारे संवाददाता को बताया कि इस इलाके में 45 साल की निर्मला कुछबंदिया रहती है उसका पति राजेश कंजर इस समय एनडीपीएस धारा के तहत जेल में बंद है उसके बाद उसकी पत्नी निर्मला ने गांजे की तस्करी का कारोबार संभाल लिया मुखबिर से लगातार पुलिस को सूचना मिल रही थी कि निर्मला बड़ी तादाद में गांजा की तस्करी कर रही है । पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर उसके घर पर छापा मारा तब तक वह गांजा बेच चुकी थी और बेचे गए गांजे की कीमत करीब दो लाख रुपए पुलिस ने बरामद की है पुलिस ने निर्मला के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया है और कार्रवाई शुरू कर दी है।

जुए की फड़ पर पुलिस ने मारा छापा, जुआरियों के पास से 4 हजार रूपए बरामद किए

भोपाल । राजधानी के संवेदनशील इलाके श्यामला हिल्स क्षेत्र में पुलिस ने एक जुए की फड़ पर पर छापा मारकर आधा दर्जन के करीब जुआरियों को गिरफ्तार किया है । पुलिस ने इन सभी जुआरियों के पास से 4 हजार रूपए नगद बरामद किए हैं । इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि इस इलाके में कच्चा बंगला बना हुआ है जो मुख्यमंत्री निवास से कुछ दूरी पर है पुलिस ने शुक्रवार की रात को 10 बजे मुखबिर की सूचना पर एक सुनसान इलाके में जुआ खेल रहे आधा दर्जन युवकों के हिरासत में लिया । कुछ युवक पुलिस को आता देखकर भाग गए । पुलिस ने इन सभी जुआरियों के पास से 4 हजार रूपए नगद बरामद किए हैं पुलिस ने इस मामले में वीरेंद्र सतीश अतुल आदिल साहिल आलोक सहित अन्य युवकों को हिरासत में लिया है और जुआरियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है और कार्रवाई शुरू कर दी है ।

केग के अफसर के घर पुलिस की रेड पत्नी को ड्रग्स और गांजा रखने के आरोप में पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल । शहर के कटारा हिल्स इलाके की एक हाई प्रोफाइल कॉलोनी प्राईड सिटी में पुलिस ने एक ऑडिट ऑफीसर के घर रेड मारकर तलाशी के दौरान सवा किलो गांजा और 3 किलो ग्राम एमडी पाउडर बरामद किया है । पुलिस ने इस ड्रग्स गांजा तस्करी के मामले में ऑडिट ऑफीसर अमित कुमार बिसेन की पत्नी 36 साल की सोनम राहंगडाले को हिरासत में लिया है । शनिवार की रात को पुलिस को अपने मुखबिर से सूचना मिली थी कि महिला ने अपने घर में ड्रग्स और गांजा रखा हुआ है ।इस सूचना पर पुलिस टीम घर पर पहुंची और घर की तलाशी लेते हुए किचन में पहुंची और यहां से 3 ग्राम एम डी पाउडर और सवा किलो गांजा बरामद किया । बरामद किए गए ड्रग्स और गंजे की कीमत पुलिस ने 60 हजार रूपए बताई है । पुलिस इस मामले में सोनम से ड्रग्स और गांजा तस्करी के नेटवर्क के बारे में कड़ी पूछताछ कर रही है । पुलिस यह पता लग रही है कि सनम के पास ड्रग्स और गांजा कहां से आया और इस महिला के किन–किन से संपर्क बने हुए हैं ।

टीचर्स डे पर शिक्षकों का हुआ सम्मान, सीएम बोले टीईटी की परीक्षा ऑफलाइन भी कराएंगे

जहां गुरुर खत्म और गुण शुरू होते है, वहीं गुरु की दृष्टि पैदा होती है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

मध्यप्रदेश में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पहली बार होने जा रही शिक्षक पात्रता परीक्षा अब ऑफलाइन भी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को शिक्षक दिवस पर यह बात कही। शिक्षक दिवस के मौके पर भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह हुआ। राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, आज दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। दुनिया भर में मची उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। वहीं, आज शिक्षक दिवस के अवसर पर मैं देश और समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को नमन करता हूं। कहा जाता है कि जहां गुरुर समाप्त होता है, वहीं गुरु की प्राप्ति होती है। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला मार्गदर्शक होता है। हम सभी जानते हैं कि देश की किस्मत स्कूल की कक्षाओं में बनती है और उन कक्षाओं के अधिपति हमारे शिक्षक होते हैं। एक सच्चा शिक्षक

उस समय सबसे अधिक आनंदित होता है, जब उसका शिष्य उससे भी आगे बढ़कर सफलता प्राप्त करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया में देश का मान निरंतर बढ़ रहा है। इसके पीछे गुरु की महिमा है, क्योंकि जहां गुरूर खत्म होता है, जहां गुण शुरू होता है, वहीं गुरु खड़ा होता है। देश का नक्शा कागजों पर बनता है, लेकिन देश की किस्मत हमारे गुरुजन कक्षाओं में बनाते हैं। हमारे शिक्षक और गुरुजन इन कक्षाओं के अधिपति हैं। शिक्षक कई पीढ़ियों तक अपने शिष्य की प्रगति से आनंदित होता है। उसे जीवन में सबसे अधिक गर्व तब महसूस होता है, जब वो शिष्य को स्वयं से आगे बढ़ते हुए देखता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी शिक्षकों की मेहनत का सम्मान करती है। जब बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम सामने आते हैं तो इनकी मेरिट लिस्ट में 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे हमारे शासकीय स्कूलों के होते हैं, जो शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिश्रम के कारण वहां तक पहुंच पाते हैं।

गुरुओं ने भगवान को भी तराशा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती ऐसी है, जहां भगवान श्रीकृष्ण स्वयं शिक्षा ग्रहण करने के लिए उज्जैन के सांदीपनि आश्रम आए थे। जहां उन्होंने 64 कलाएं और 14 विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया। श्रीकृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि ने अपने शिष्य को जगद्गुरु की उपाधि दी। उन्होंने अपने शिष्य में भविष्य का पुरुषार्थ और पराक्रम देख लिया था। इसी प्रकार महर्षि विश्वामित्र ने बाल्यकाल में प्रभु श्रीराम और उनके भाइयों में पराक्रम देखा था। उन्होंने कहा कि वे राजा दशरथ से श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ ले गए और श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बनाया।

आज शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2026 में आज प्रदेश के 33 शिक्षकों का सम्मान हुआ है। भारत के दूसरे राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म जयंती के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई देता हूं। यह आयोजन हमारे शिक्षकों को नमन करने का अवसर है, जो ज्ञान और संस्कार का देश का भविष्य गढ़ रहे हैं। माता-पिता और शिक्षक बच्चों को संस्कार देकर बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं।

कायस्थम द्वारा अपने घर में सम्मानित होने पर अभिभूत हुए सेवानिवृत्त, वृद्ध शिक्षक

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

शिक्षक दिवस पर कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम से अपने घर पर कायस्थम शिक्षक सम्मान पाकर वर्षो पहले सेवानिवृत हुए वृद्ध , शिक्षक अभिभूत हो उठे। कायस्थम ने आज उन्हें उनके घर पहुंचकर स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र, चित्रगुप्त चालीसा, तुलसी का पौधा और साहित्य भेंटकर सम्मानित किया। कायस्थ समाज के सेवानिवृत वृद्ध शिक्षकों को सम्मानित करने की पहल इस साल शिक्षक दिवस से शुरू की गई है। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव के अनुसार शिक्षकों को सम्मानित करने की परम्परा भविष्य में भी जारी रखी जाएगी और अधिक शिक्षकों को समारोहपूर्वक कायस्थम शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। कायस्थम ने आज प्रतिकात्मक रूप से जिन 5 शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया, उनमें सर्वश्री माधव प्रसाद गौड़ प्रधानाध्यापक डबरा(2006), श्री ओ.के. सक्सेना मॉडल टी .टी.नगर,निशातपुरा हायर सेकंडरी स्कूल(1998), मधु सक्सेना कन्या उमावि गोविंदपुरा (2013), शकुंतला श्रीवास्तव प्राचार्या कमला नेहरू, सरोजिनी नायडू कन्या उमावि(2006) और शैफालिका श्रीवास्तव केंद्रीय विद्यालय गुना(2015) शामिल हैं।

अब पंचायतों का बजट तय करेगा विकास का स्तर

14 हजार पंचायतें सी श्रेणी में जरूरतमंद गांवों पर बढ़ेगा फोकस

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

मध्य प्रदेश में ग्राम पंचायतों के विकास बजट की तस्वीर अब पंचायत की पहुंच या प्रभाव से नहीं, बल्कि उसके विकास के स्तर और जरूरत से तय करने की तैयारी है। प्रदेश की 23,011 ग्राम पंचायतों का ए, बी और सी श्रेणियों में वर्गीकरण किया गया है। इसका मकसद यह तय करना है कि जिस पंचायत में विकास की जरूरत ज्यादा है, वहां संसाधनों को उसी अनुपात में प्राथमिकता दी जा सके। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि करीब 14 हजार पंचायतें सी श्रेणी में रखी गई हैं। यानी प्रदेश की बड़ी संख्या में पंचायतें अभी ऐसे स्तर पर हैं, जहां बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों की अधिक जरूरत मानी गई है। अब इन पंचायतों के लिए बजट आवंटन का फार्मूला तैयार होना बाकी है। प्रदेश में कुल 23,011 ग्राम पंचायतों में से करीब 1,000 ए श्रेणी, 8,000 बी श्रेणी और करीब 14,000 सी श्रेणी में हैं। ए श्रेणी में अपेक्षाकृत विकसित पंचायतें रखी गई हैं, जबकि बी श्रेणी बीच के स्तर की पंचायतों को दर्शाती है। सी श्रेणी में वे पंचायतें शामिल हैं, जहां विकास की जरूरत सबसे ज्यादा मानी गई है। इस वर्गीकरण के बाद पंचायतों को मिलने वाले विकास बजट के लिए केंद्र सरकार स्तर पर फार्मूला तैयार किया जा रहा है। इसके बाद यह स्पष्ट होगा कि किस श्रेणी की पंचायत को कितनी राशि उपलब्ध होगी।

100 अंकों का पैमाना तय करेगी स्थिति

पंचायतों की श्रेणी किसी एक आधार पर तय नहीं की गई है। इसके लिए 100 अंकों की ग्रेडिंग व्यवस्था बनाई गई है। इसमें जिला मुख्यालय से दूरी, गरीबी सूचकांक, आकांक्षी ब्लॉक की स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य और सडक़-बिजली जैसी अधोसंरचना सहित कुल नौ सूचकांकों को शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि पंचायत के विकास का आकलन कई अलग-अलग पैमानों पर किया जाएगा। जिन पंचायतों का स्कोर और विकास स्तर बेहतर है, वे ए श्रेणी में हैं, जबकि कम विकसित पंचायतें बी और सी में आती हैं।

14 हजार सी श्रेणी की पंचायतें सबसे अहम

नई व्यवस्था में सबसे बड़ा सवाल सी श्रेणी की पंचायतों को लेकर है। प्रदेश की करीब 61 प्रतिशत पंचायतें इसी श्रेणी में आती हैं। इन गांवों में सडक़, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों की जरूरत अपेक्षाकृत अधिक मानी गई है। यदि बजट आवंटन में श्रेणी और जरूरत दोनों को आधार बनाया जाता है तो इन पंचायतों को विकास के लिए अतिरिक्त प्राथमिकता मिल सकती है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ए, बी और सी श्रेणी को अलग-अलग कितनी राशि मिलेगी। अंतिम आवंटन फार्मूला केंद्र स्तर पर तैयार होना है।

पांच साल में 29,619 करोड़ का प्लान

यह पूरी व्यवस्था वीबी-जी राम जी (ग्रामीण) योजना के तहत लागू की जा रही है। मध्य प्रदेश में योजना 1 जुलाई से प्रभावी हो चुकी है। अगले पांच वर्षों में योजना पर कुल 29,619 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। इसमें 10,574 करोड़ रुपये राज्यांश के रूप में होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने पंचायतों के श्रेणीकरण को मंजूरी दे दी है। अब जल्द अधिसूचना जारी होने की प्रक्रिया है।

अज्ञानी से ज्ञानवान शिक्षक ही बनाता हैः किशन सूर्यवंशी

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

शिक्षक दिवस पर आयोजित पंडित खुशी लाल शर्मा सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह को नगर नगर निगम अध्यक्ष ने संबोधित किया एवं उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया । इस अवसर पर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भारत के पूर्व राष्टपति डॉक्टर राधाकृष्णन की जयंती पर उनको नमन कर हुए प्रत्येक मनुष्य के जीवन में शिक्षकों के योगदान को आहम बताया ओर सभागार में उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक ही अज्ञानता के अंधकार से हमें निकाल कर ज्ञान के प्रकाश में लें जाता है । समारोह में उत्कृष्ट शिक्षकों एवं टापर्स विद्यार्थियों को सम्मानित भी नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी द्वारा किया गया । कार्यक्रम में समाज कल्याण बोर्ड कि पूर्व अध्यक्षा श्रीमती उषा चतुर्वेदी संस्था के संचालक देवेंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में 7-8 सितंबर को 'भारतीय ज्ञान परंपरा में परीक्षा संचालन पर कार्यशाला

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

भोपाल एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में भारतीय ज्ञान परंपरा में परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन की अवधारणा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में समकालीन शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने के उद्देश्य से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 7 एवं 8 सितंबर को किया जाएगा आयोजन एलएनसीटी यूनिवर्सिटी एवं मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में होगा।

7 सितंबर को प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र में डॉ. अतुल कोठारी, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग अशोक कडेल, आयुक्त, उच्च शिक्षा तथा प्रो. खेमसिंह डहेरिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। डॉ. अतुल कोठारी भाषण देंगे। इसके बाद डॉ. रमेश चन्द्र भारद्वाज भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा, परीक्षा एवं मूल्यांकन के दार्शनिक आधार तथा प्रो. चंद्र चारु त्रिपाठी सतत एवं समग्र मूल्यांकन पर व्याख्यान देंगे। दिन के अंतिम सत्र में शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

8 सितंबर को द्वितीय दिवस में ज्ञान, आचरण और प्रज्ञा के मूल्यांकन तथा भारतीय शिक्षा परंपरा में परीक्षा की समग्र अवधारणा पर चर्चा होगी। प्रो. रविन्द्र कन्हेरे प्रवेश प्रक्रिया एवं विद्यार्थी चयन में मूल्यांकन की भूमिका तथा प्रो. उमा कांजी लाल डिजिटल परीक्षा एवं मूल्यांकन पर विचार रखेंगी। वहीं डॉ. वीरेन्द्र गुप्ता मूल्यांकन के विविध आयाम एवं प्रकार तथा प्रो. रमाकांत पांडे समग्र व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण में मूल्यांकन की भूमिका पर व्याख्यान देंगे।

अंतिम सत्र में डॉ. जी.एस. टूटेजा गुरुकुल परंपरा में विद्यार्थी मूल्यांकन तथा डॉ. विरल जी. गौरीशंकर विकसित भारत-2047 के लिए भारतीय परीक्षा मूल्यांकन मॉडल पर अपने विचार रखेंगे। इसके बाद धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन होगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

संघर्ष को अपनाएं और विकसित भारत निर्माण में निभाएं भूमिका, अपना ब्रांड स्वयं बनाएं, चुनौतियों से न डरें

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल/इंदौर

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को इंदौर में इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ और आइडिलिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के संयुक्त दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि युवा संघर्ष को अपनाएं और विकसित भारत निर्माण में महती भूमिका निभाएं। युवा चुनौतियों ने डरें नहीं, अपना ब्रांड स्वयं बनाएं। राहुल गांधी वंदे मातरम् के सम्मान के लिए 3 मिनट 10 सेकंड क्यों नहीं दे सकते, क्या वे स्वयं को संविधान से ऊपर मानते हैं। दीक्षांत समारोह डिग्री प्राप्त करने का अवसर

नहीं, बल्कि जीवन की नई चुनौतियों की शुरुआत भी है। आज के युवाओं पर विकसित भारत के निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान में इंदौर के साथ देशभर में हो रही जनभागीदारी सराहनीय है।

संघर्ष को जीवन का हिस्सा मानकर आगे बढ़ें युवा : पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक ही परिसर में कानून और प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की शिक्षा मिलना अच्छे शैक्षणिक वातावरण में ही संभव है। यह विचारों के आदान-प्रदान और विभिन्न क्षेत्रों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। अब कक्षाओं में प्राप्त ज्ञान का उपयोग विद्यार्थियों को अदालतों, कॉरपोरेट जगत और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में करना होगा। युवा संघर्ष को जीवन का हिस्सा मानकर आगे बढ़ें। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी और इसरो के वैज्ञानिकों के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि महान उपलब्धियां कठिन परिस्थितियों का सामना करके ही प्राप्त होती हैं। उन्होंने कहा कि युवा अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलें और चुनौतियों को अवसर में बदलने का कार्य करें। युवा केवल पारिवारिक व्यवसाय या किसी दूसरे की पहचान पर निर्भर न रहें, बल्कि अपनी मेहनत, प्रतिभा और ईमानदारी से अपनी स्वतंत्र पहचान और अपना ब्रांड बनाएं।

मानसून में सुरक्षित रेल संचालन के लिए भोपाल मंडल के 1023 किलोमीटर के रेल ट्रैक पर विशेष सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था

- संवेदनशील स्थानों पर 118 पेट्रोलमैन एवं 174 वाचमैन तैनात, संवेदनशील पुलों पर वॉटर लेवल अलार्म सिस्टम से जलस्तर की निगरानी

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

मानसून के दौरान तेज बारिश, आंधी-तूफान, जलभराव एवं बाढ़ जैसी संभावित परिस्थितियों में सुरक्षित, संरक्षित एवं निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने व्यापक तैयारियां पूरी की हैं। मंडल के लगभग 1023 किलोमीटर के विस्तृत रेल नेटवर्क पर रेल पथ, पुलों, सिग्नलिंग, विद्युत उपकरणों एवं जल निकासी व्यवस्था की विशेष निगरानी की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के निर्देशन में मानसून के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। संवेदनशील एवं संभावित जोखिम वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। रेल पथ की सतत निगरानी एवं संभावित खतरों की समय रहते

पहचान के लिए संवेदनशील स्थानों पर 118 पेट्रोलमैन एवं 174 वाचमैन, कुल 292 कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इनके द्वारा निर्धारित क्षेत्रों में नियमित मानसून पेट्रोलिंग की जा रही है, ताकि रेल पथ में किसी प्रकार की क्षति, जलभराव अथवा अन्य असामान्यता का तत्काल पता लगाया जा सके। भोपाल मंडल का विस्तृत रेल नेटवर्क खंडवा-इटारसी, इटारसी-भोपाल, भोपाल-बीना, बीना-गुना तथा गुना-मक्सी जैसे महत्वपूर्ण रेलखंडों से होकर गुजरता है। इन प्रमुख सेक्शनों की लंबाई क्रमशः 183 किमी, 92 किमी, 138 किमी, 118 किमी एवं 214 किमी है। इतने विस्तृत नेटवर्क पर मानसून के दौरान सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोलिंग एवं निरीक्षण व्यवस्था को विशेष रूप से मजबूत किया गया है।

मंडल में बांधों, पुलों एवं अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं को विशेष रूप से चिन्हित कर उनकी निगरानी बढ़ाई गई है। संवेदनशील पुलों पर वॉटर लेवल अलार्म सिस्टम स्थापित किए गए हैं, जिससे जलस्तर में असामान्य वृद्धि की स्थिति में समय रहते सूचना प्राप्त हो सके और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल एहतियाती कदम उठाए जा सकें। मानसून के दौरान जलभराव से रेल परिचालन प्रभावित न हो, इसके लिए रेल पथ एवं यार्ड क्षेत्रों में नालियों, पुलियों तथा जल निकासी मार्गों की व्यापक सफाई कराई गई है। जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक अनुरक्षण कार्य भी किए गए हैं। विद्युतीकृत रेलखंडों में ओवरहेड उपकरणों की सुरक्षा के लिए रेल परिचालन में बाधा उत्पन्न करने वाली पेड़ों की शाखाओं की छंटाई कराई गई है।

निर्माणाधीन भवन में 120 सीटों की मान्यता पर सवाल : सीधी के आयुष्मान नर्सिंग कॉलेज की सीबीआई जांच की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश के चर्चित नर्सिंग कॉलेज मामले के बीच सीधी जिले में एक और नर्सिंग कॉलेज की मान्यता सवालों के घेरे में आ गई है। कुसमी तहसील के भादौरा स्थित आयुष्मान कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज को 120 सीटों की मान्यता दिए जाने को लेकर एनएसयूआई ने गंभीर सवाल उठाए हैं। संगठन ने आरोप लगाया है कि मान्यता प्रक्रिया के दौरान कॉलेज का भवन निर्माणाधीन था। इसके बावजूद निरीक्षण दल ने संस्थान को मान्यता के योग्य कैसे पाया, इसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने इस मामले में सीबीआई के संयुक्त निदेशक, मुख्यमंत्री और संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायत भेजकर कॉलेज की मान्यता प्रक्रिया की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संगठन ने कॉलेज के स्वामित्व, संचालन, प्रबंधन, आर्थिक लेन-देन और मान्यता के लिए प्रस्तुत दस्तावेजों की भी जांच की मांग की है। एनएसयूआई के मुताबिक कॉलेज ने बीएससी नर्सिंग की 60 और जीएनएम नर्सिंग की 60, यानी कुल 120 सीटों के लिए मान्यता का आवेदन किया था। संगठन का दावा है कि जिस समय मान्यता की प्रक्रिया और निरीक्षण हुआ, उस दौरान कॉलेज का भवन निर्माणाधीन था और वर्तमान में भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है।

संपादकीय

सरकारी स्कूलों को योग्य शिक्षकों की फिर तलाश, क्यों नही निकल पा रही हैं प्रतिभाएं

इस बार शिक्षक दिवस पर फिर एक सवाल उत्पन्न हो गया है। हमारे सरकारी स्कूलों को योग्य शिक्षकों क्यों नहीं मिल पा रहे हैं। वहां से क्यों नही निकल पा रही हैं प्रतिभाएं? यह सच है कि शिक्षक की जिम्मेदारी सिर्फ छात्रों की पढ़ाई तक ही सीमित नहीं रहती। वे उन्हें समय की पाबंदी, सहानुभूति और ईमानदारी जैसे मूल्य सिखाते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थी नियम से स्कूल आएं, क्लास की गतिविधियों में हिस्सा लें और विश्वास रखें कि उनके भीतर भी क्षमता है।

विद्यार्थी जितना शिक्षकों के शब्दों से सीखते हैं, उतना ही उनके आचरण से। जब शिक्षक विद्यार्थियों को एकाग्रता के साथ बेहतर करने और अच्छा भविष्य रचने की सीख देते हैं, तो उसका प्रभाव आगे चलकर समाज और देश पर पड़ता है। जब शिक्षक किसी ऐसे स्कूल में पढ़ाते हैं, जहां संसाधनों की कमी हो तब ये बातें और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं, क्योंकि यही वह जगह है, जहां भारत की चुनौतियां अपने सबसे स्पष्ट रूप में दिखाई देती हैं। किसी कम आय वाले इलाके की आठवीं कक्षा की कल्पना कीजिए। शिक्षक को पहले ही हफ्ते पता चल जाता है कि कई बच्चों का पढ़ने का स्तर दूसरी कक्षा का है। स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित, कुपोषण, आर्थिक तंगी से परेशान ये बच्चे क्या ध्यान लगाकर पढ़ पाएंगे? जात-पात, लिंग भेद, पंथ-संप्रदाय, सभी का असर इस पर पड़ता है कि कौन कक्षा में बोलेगा, कौन घर से काम करके ला पाएगा और कौन भविष्य के सपने देखने का साहस करेगा। सेकेंडरी स्कूल तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों के सामने मोबाइल स्क्रीन और डिजिटल मीडिया की दुनिया खुल जाती है, जहां अक्सर बड़ों से उन्हें पर्याप्त मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। बच्चों के विकास के इन महत्वपूर्ण दिनों में एक शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि और अधिक जटिल और बहुआयामी बन जाती है।

इसमें कोई शक नहीं है कि शिक्षक देख लेते हैं कि जो संभव है, वह साकार भी हो सकता है। नगर निगम स्कूल में दूसरी कक्षा के बच्चों को पढ़ा रहे एक स्नातक ने दो ही वर्षों में विद्यार्थियों में तीन सालों की शैक्षणिक प्रगति दिखाई, स्कूल व्यवस्था को बदला और अपने प्रयास को सफल बनाने के लिए कारपोरेट साझेदारी से समर्थन जुटाया। आज वह एक विश्वस्तरीय कंसल्टिंग फर्म में लीडर हैं। टीच फार इंडिया, भूमि, गांधी फेलोशिप और एजुकेट गर्ल्स जैसी पहलों ने ऐसे युवा स्नातकों का समूह तैयार किया, जो देश की जमीनी सच्चाइयों से परिचित हैं। ये स्नातक अब टेक्नोलाजी, कंसल्टिंग और सामाजिक उद्यम के क्षेत्रों में संस्था निमार्ता, विचारक एवं उद्यमियों के रूप में काम कर रहे हैं। देश में स्नातकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इनमें से कई ऐसे हैं, जो देश के लिए कुछ करने के लिए तत्पर हैं। सवाल यह है कि क्या उन्हें देश की जमीनी सच्चाई की समझ है? जिस तरह कई देशों में युवाओं की फौज में भर्ती अनिवार्य है, उसी तरह शायद भारत में हर युवा को शिक्षण में अनिवार्य भर्ती शुरू करनी चाहिए। जिसकी इच्छा पढ़ाने की न हो, वह किसी और रूप में स्कूल में योगदान दे। नौकरीपेशा लोग भी किसी विद्यालय को हर हफ्ते अपने कुछ घंटे दें। इससे आत्मविश्वास के साथ देश की समस्याओं को सुलझाने वाला युवा वर्ग तैयार होगा। भारत ही एक ऐसा देश है, जहां इतनी विविधता, इतने सारे काबिल लोग और इतने जरूरतमंद स्कूली बच्चों का संयोजन है। समस्याओं के उपाय खोजने के लिए हमें किसी और देश की ओर देखने की आवश्यकता नहीं है। स्थिति, सामर्थ्य और आशा, सब हमारे पास हैं। हमें अपनी स्कूली कक्षाओं में और काबिल लोग चाहिए। केवल विद्यार्थी के रूप में नहीं, बल्कि शिक्षक के रूप में भी, ताकि वे भारत को जान सकें और समय आने पर उसका नेतृत्व कर सकें। पर इसमें काफी काम करने की जरूरत है।

– भरत अर्जुन मेंघानी

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन–संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु–बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु–वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय, पूर्वे शुक्रोदय, पश्चिमी तिथि, दसवी, रविवार, आद्रा नक्षत्रे, सिद्ध योगे, वल करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 3/58, धान्य छेदन मुर्हूत, रात्रि 3/55 पूर्वा फाल्गुनी रवि 26/26 तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी तथा उत्तमवृत्ति वाला, योगी–भोगी, संत–महात्मा, त्यागी, वक्ता–अधिवक्ता, उत्तमवृत्ति वाला धनीमानी होगा।

मेष राशि : योजनायें फलीभूत हों, सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा धन का लाभ होगा।

वृष राशि : तत्परता एवं परिश्रम से धन का लाभ, कार्य पूर्ण सफलता व सहयोग से बिगड़े कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि : कार्य क्षमता के साधन बनें, कार्ययोजना फलीभूत हो, विशेष कार्य समय पर निपटा लें।

कर्क राशि : कार्ययोजना फलीभूत होगी, परिश्रम एवं प्रयत्न पूर्णत~ से सफल एवं संतुष्ट होंगे।

सिंह राशि : दूसरों के कार्य में व्यर्थ भ्रमण करना होगा, धन का व्यय तथा मानसिक बेचैनी बढ़ेगी।

कन्या राशि : अशुद्ध गोचर होने से मानसिक बेचैनी बढ़ेगी, विशेष कार्य स्थिगित रखें, हानि होगी।

तुला राशि : बिगड़े कार्य बनें, कार्य सफलता से संतोष होगा तथा धन का विशेष लाभ होगा।

वृश्चिक राशि : धन का व्यय होगा, थकावट तथा बेचैनी बनी रहेगी, कार्यवृत्ति में सुधार होगा।

धनु राशि : योजनायें फलीभूत होंगी, स्त्री-वर्ग से उल्लास होगा तथा भ्रम से बचकर चलें, समय का ध्यान रखें।

मकर राशि : सोचे कार्य परिश्रम से पूर्ण होंगे, कार्यवृत्ति में निश्चय ही सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

कुंभ राशि : कार्य एवं समय बेकार जायेगा किन्तु मेहनत से समय पर कार्य पूर्ण होगा।

मीन राशि : प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, विशेष कार्य से हानि हो सकती है ध्यान रखें।

पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

3,800 बच्चों की मुक्ति ने खोला बड़ा सवाल

बचपन बिक रहा है, कानून देख रहा है?

- ढाबों से कारखानों तक मासूम हाथों का शोषण; कानून मौजूद, कार्रवाई भी संभव, तो फिर बालश्रम खत्म क्यों नहीं?
- बच्चे मजदूर नहीं,भारत का भविष्य हैं :नक्सल मुक्त, नशामुक्त भारत की तरह बालश्रम मुक्त भारत का संकल्प की डेट लाइन क्यों नहीं?
- ढाई महीनों में 3,800 बच्चे मुक्त, 575 एफआईआरः अभियान सालभर चले तो बदल सकती है भारत की तस्वीर -क्या अब बनेगा बालश्रम मुक्त भारत का राष्ट्रीय मिशन?

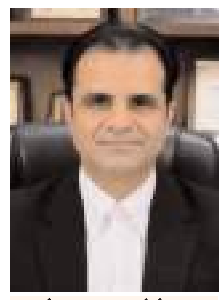

लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ने, रोजगार के नए अवसर पैदा करने और 2047 तक एक समृद्ध एवं न्यायपूर्ण समाज बनाने का संकल्प ले रहा है,तब उसके सामने एक ऐसा प्रश्न भी खड़ा है जिसे केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं टाला जा सकता,क्या देश का बचपन वास्तव में सुरक्षित है?भारत की सड़कों,चौराहों और चमचमाते महानगरों के पीछे एक ऐसा कड़वा सच छिपा है, जो देश के आर्थिक महाशक्ति बनने के दावों को सीधे तौर पर चुनौती देता है।सड़क किनारे चाय की दुकान पर गिलास धोता बच्चा, ढाबे पर ग्राहकों को खाना परोसता छोटू, ट्रैफिक सिग्नल पर सामान बेचता मासूम,निर्माण स्थल पर ईट ढोता बच्चा या किसी कारखाने में मशीनों के बीच काम करता नाबालिग केवल गरीबी की तस्वीर नहीं है; वह उस व्यवस्था के सामने खड़ा एक गंभीर सवाल है, जिसमें कानून होने के बावजूद उसका प्रभावी क्रियान्वयन हर जगह दिखाई नहीं देता। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि 3,800 बच्चों की मुक्ति ने खोला बड़ा सवाल-बचपन बिक रहा है,कानून देख रहा है? -ढाबों से कारखानों तक मासूम हाथों का शोषण ;कानून मौजूद, कार्रवाई भी संभव,तो फिर बालश्रम खत्म क्यों नहीं?बच्चे मजदूर नहीं,भारत का भविष्य हैं-नक्सल मुक्त,नशामुक्त भारत की तरह बालश्रम मुक्त भारत का संकल्प की डेट लाइन क्यों नहीं?बता दूँ कि शासकीय मीडिया में आई खबरों के अनुसार, इस सवाल को और गंभीर बना दिया है,दिनांक 4 सितंबर 2026 को रिपोर्ट आई कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के हालिया अभियान ने।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत वैधानिक संस्था एनसीपीसीआर ने 12 जून 2026 से 31 अगस्त 2026 तक विशेष अखिल भारतीय बचाव और पुनर्वास अभियान चलाया। राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों, जिलाधिकारियों श्रम विभागों, पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय से चलाए गए इस अभियान में 3,800 से अधिक बच्चों को बालश्रम से मुक्त कराया गया और 575 से अधिक एफआईआर दर्ज हुई। यह आंकड़ा केवल सफलता की कहानी नहीं है; यह उस समस्या की गहराई का भी संकेत है, जो देश के अलग-अलग हिस्सों में कानून की मौजूदगी के बावजूद बनी हुई है।

साथियों, सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यहीं से जन्म लेता है,यदि लगभग ढाई महीने के लक्षित और सक्रिय अभियान में 3,800 से अधिक बच्चे मुक्त कराए जा सकते हैं, तो क्या ऐसी कार्रवाई पूरे वर्ष नियमित रूप से नहीं हो सकती? यदि प्रत्येक जिले में संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करके लगातार औचक निरीक्षण, गोपनीय सूचना तंत्र और बहु-विभागीय कार्रवाई की जाए, तो निश्चित रूप से बालश्रम के विरुद्ध कार्रवाई का दायरा बहुत बड़ा हो सकता है। एनसीपीसीआर के अभियान में भी जिलाधिकारियों,श्रम विभाग और पुलिस के साथ समन्वय तथा नियमित निगरानी को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई थी।इसलिए यह अभियान एक अस्थायी कार्रवाई भर न रहकर स्थायी जिला-स्तरीय प्रवर्तन मॉडल का आधार बन सकता है।बालश्रम की समस्या केवल ढाबों, चाय की दुकानों या छोटे कारखानों तक सीमित नहीं है। ईंट-भट्टों,निर्माण स्थलों,कृषि क्षेत्र,घरेलू काम,कचरा बीनने, कार्यशालाओं बाजारों, होटल- ढाबों,कारखानों और कुछ खतरनाक औद्योगिक गतिविधियों में भी बच्चों के शोषण का जोखिम मौजूद रहता है।विशेष रूप से प्रवासी परिवारों के बच्चों के मामले में समस्या और जटिल हो जाती है, क्योंकि उनका विद्यालय से जुड़ाव टूट सकता है और परिवार की आर्थिक मजबूरी उन्हें काम की ओर धकेल सकती है। बालश्रम इसलिए केवल श्रम कानून का विषय नहीं है; यह गरीबी, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, प्रवासन, मानव तस्करी और प्रशासनिक जवाबदेही इन सभी को सटीकता से जोड़ने वाला प्रश्न है।

साथियों, यहीं रोजगार बाजार का एक चिंताजनक पहलू सामने आता है।बालश्रम सस्ता असंगठित और अधिकार -विहीन श्रम उपलब्ध कराता है।बच्चों को सामान्यतः संगठित श्रमिकों की तरह अपने अधिकारों, मजदूरी, कार्य -समय या श्रम-सुरक्षा की जानकारी नहीं होती और वे ट्रेड यूनियन जैसी सामूहिक संरचनाओं से भी जुड़े नहीं होते। इस कारण कुछ नियोक्ताओं के लिए उनका शोषण आर्थिक रूप से आकर्षक दिखाई दे सकता है। लेकिन किसी बच्चे की मजबूरी को सस्ता श्रम मान लेना केवल आर्थिक अन्याय नहीं, बल्कि उसके शिक्षा, स्वास्थ्य, गरिमा और भविष्य पर हमला है।इस समस्या का दूसरा और अधिक गंभीर पहलू प्रवर्तन की विश्वसनीयता है। किसी क्षेत्र में यदि कानून का उल्लंघन लंबे समय तक चलता रहे, तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि निरीक्षण व्यवस्था कितनी प्रभावी है। हालांकि किसी विशेष अधिकारी या विभाग पर मिलीभगत अथवा भ्रष्टाचार का आरोप प्रमाण के बिना नहीं लगाया जाना चाहिए, लेकिन यदि शिकायतों के बावजूद बालश्रम लगातार दिखाई देता है, तो संबंधित प्रशासनिक व्यवस्था की जवाबदेही तय करना आवश्यक है। नियमित निरीक्षण,शिकायतों की स्वतंत्र जांच, कार्रवाई की डिजिटल निगरानी और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण इस विश्वास को मजबूत कर सकते हैं कि कानून केवल कागज पर नहीं, जमीन पर भी सटीकता से लागू होता है।

साथियों, इस संदर्भ में जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।प्रत्येक जिले में बालश्रम और बाल तस्करी के संभावित हॉटस्पॉट का मानचित्र तैयार किया जाए। पुलिस, श्रम विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति और विश्वसनीय नागरिक-संगठनों के बीच एक समन्वित तंत्र बनाया जाए। कार्रवाई से पहले सूचना लीक न हो, इसके लिए जोखिम-आधारित और गोपनीय निरीक्षण व्यवस्था विकसित की जा सकती है। प्रत्येक बचाव के बाद केवल एफआईआर दर्ज करके मामला समाप्त न हो; बच्चे की पहचान, परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य, पुनर्वास और दोबारा बालश्रम में लौटने के जोखिम की भी सटीकता से निगरानी हो।

आईआईटी संस्थानों में क्यों सुसाईट कर रहे हैं होनहार?

लेखक मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी व आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों की झड़ी लगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर के आईआईटी में पांच वर्षों में 70 होनहारों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जबकि जुलाई से शुरू नए सत्र में अब तक आईआईटी में तीन व आईआईएम में एक सुसाइड की वारदात सामने आ चुकी हैं। रिपोर्ट बताती है कि आईआईएससी बंगलूरू में भी 15 दिन में दो छात्रों ने खुदकशी की है। आपको बता दें कि भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामले एक बेहद गंभीर और संवेदनशील चिंता का विषय बन चुके हैं। हाल ही में, 22 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के एमएससी भौतिकी के 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार ने परिसर की एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद संस्थान में छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।यह स्थिति केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शीर्ष इंजीनियरिंग परिसरों में मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव की गहरी समस्याओं को उजागर करती है।हालिया प्रमुख घटनाएं और आंकड़ेआईआईटी दिल्ली ऋषिकेश कुमार की मृत्यु के बाद, छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर फ्लैश मार्च निकाला और कक्षाओं का बहिष्कार किया। छात्रों का आरोप है कि ऋषिकेश मानसिक तनाव से गुजर रहे थे और उन्हें प्रशासन से आवश्यक सहयोग व हॉस्टल सुविधा नहीं मिली। पिछले 30 महीनों में इस संस्थान में यह आठवीं आत्महत्या है।वर्ष 2026 की शुरुआत (जनवरी) में पीएचडी स्कॉलर राम स्वरूप ईश्वरम ने आत्महत्या कर ली थी, जिससे पहले दो हफ्तों के भीतर ही परिसर में एक और छात्र जय सिंह मीना की मौत हुई थी। इस संस्थान ने भी पिछले दो वर्षों में कई ऐसी दुखद घटनाएं देखी हैं। अगस्त 2026 में आईआईटी खड़गपुर के भी एक छात्र की परिसर में ऊंचाई से गिरने से मौत हुई। रिपोर्टों के अनुसार, देश के शीर्ष 11 आईआईटी में पिछले 5 सालों में 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें आईआईटी मद्रास, हैदराबाद और दिल्ली सबसे आगे रहे हैं। विभिन्न जांच समितियों, शिक्षाविदों और स्वयं छात्रों के अनुसार इन आत्महत्याओं के पीछे जो कारण रेखांकित किए गए हैं उनमें शैक्षणिक दबाव कड़ा पाठ्यक्रम, लगातार परीक्षाएं, ग्रेडिंग सिस्टम और असाइनमेंट का अत्यधिक बोझ छात्रों को मानसिक रूप से थका देता है।भविष्य और करियर की चिंता के चलते छात्र छात्राओं में अवसाद घर कर जाता है। प्लेसमेंट न होना, इंटर्नशिप के अवसरों से वंचित होना या रिसर्च प्रोजेक्ट्स में आने वाली अड़चनें छात्रों में भारी अनिश्चितता पैदा करती हैं।सामाजिक अलगाव एक बड़ा कारण है कई छात्र अपने परिवारों से दूर रहने, कड़ी प्रतिस्पर्धा और संवाद की कमी के कारण अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो जाते हैं। प्रशासनिक और सुपरवाइजर का व्यवहार भी इन घटनाओं के लिए लिए जिम्मेदार है विशेषकर पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों में यह देखा गया है कि गाइड या प्रशासन के कथित असंवेदनशील रवैये या अत्यधिक नियंत्रण के कारण छात्र खुद को असहाय महसूस करते हैं।जातिगत या लैंगिक भेदभाव से भी इस तरह की वारदातों की तादाद कम नहीं हो रही है। कुछ मामलों में वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों ने भेदभाव या पूर्वाग्रहों का सामना करने की बात भी उठाई है।

आपको बता दें कि आईआईटी दिल्ली में 30 महीनों में आठवें छात्र की आत्महत्या की खबर ने एक बार फिर देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों के अंदरूनी अस्वस्थता को सामने ला दिया है। यह महज एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि व्यवस्थागत विफलता का प्रतीक है। जब एक संस्थान, जिसे देश की उच्च मेधा को तराशने का केंद्र माना जाता है,वहां आए दिन युवा छात्रों द्वारा सुसाइड की वारदात बेहद संवेदनशील और असामान्य स्थिति का हवाला देती है। इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है कि ऐसा आत्मघाती माहौल शिक्षण संस्थानों में कैसे पनप रहा है? कई मामलों में अवसाद, परीक्षा में असफलता का डर और समय रहते काउंसलिंग नहीं मिलना प्रमुख कारण बताए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि घटना के बाद प्रशासन का रवैया अक्सर औपचारिक शोक संदेश तक सीमित रह जाता है। एक छात्र की मौत के बाद परिसर सामान्य हो जाता है, जैसे कुछ हुआ ही न हो। यही दोहराव छात्रों में गुस्सा और निराशा पैदा कर रहा है। हालिया घटना के बाद सैकड़ों छात्रों का प्रदर्शन, डीन और एसोसिएट डीन के इस्तीफे की मांग, स्वतंत्र जांच और परिवार को मुआवजे की मांग, ये सब इस गुस्से की अभिव्यक्ति हैं। प्रशासन का दावा है कि काउंसलिंग सेवाएं, 24 घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता और पाठ्यक्रम में लचीलापन उपलब्ध हैं। यदि ऐसा है तो हालात इतना खराब क्यों बने हैं कि आए दिन छात्र जान दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स भी इस मुद्दे पर काम कर रही है। लेकिन रिपोर्ट और कमेटियां तब तक अनुपयोगी हैं, जब तक उनकी सिफारिशें जमीनी स्तर पर लागू न किया जाए। सरकार को इस ओर तत्काल प्रभाव से गंभीरता से कारवाई करनी चाहिए। देश के होनहार छात्र इस तरह जान गंवाने के लिए नहीं है। हर मौत पूरे परिवार को तोड़ देती है वही समाज खासकर उचच शिक्षण संस्थान की प्रतिष्ठा और गरिमा पर भी सवालिया निशान लगा रहीं हैं। हालांकि बताना जरूरी है कि सरकारी स्तर से संकट को देखते हुए छात्र संगठनों की मांगों के बाद कई कदम उठाए गए हैं। आईआईटी दिल्ली मामले की जांच के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक बाहरी समिति का गठन किया गया है, जिसमें एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख और छात्र प्रतिनिधि भी शामिल हैं।पाठ्यक्रम में लचीलापन लाया गया है। संस्थानों ने शैक्षणिक भार कम करने, पहले सेमेस्टर में क्रेडिट कम करने और वीकेंड परीक्षाओं को सीमित करने जैसे नीतिगत बदलाव शुरू किए हैं। मानसिक स्वास्थ्य सहायता परिसरों में 24/7 काउंसलिंग हेल्पलाइन, वेलनेस सेंटर और मेंटरशिप प्रोग्राम बढ़ाए जा रहे हैं ताकि समय रहते मानसिक संकट से जूझ रहे छात्रों की पहचान की जा सके।छात्रों और उनके परिजनों का भी कर्तव्य है कि वह अपने परिवार या परिचित छात्र छात्राओं के सम्पर्क में रहें कोई अवसाद या असामान्य बात का आभास मिलते ही संस्थान को अवगत कराएं ताकि समय पर काउंसलिंग कर छात्र को आत्मघाती होने से बचाया जा सके।

कड़वे वचन

प्राण देकर भी मित्र के प्राण की रक्षा करनी चाहिए।

– बाणभट्ट

जो काम पड़ने पर सहायक होता है, वही मित्र है

– दीर्घनिकाय

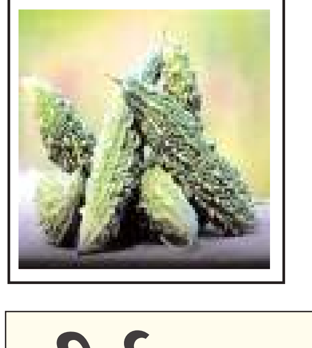

विचार मंथन

शिक्षा और कर्म का संदेश देता शिक्षक दिवस और जन्माष्टमी

युग कोई भी हो गुरु का ज्ञान और श्रीकृष्ण का कर्मयोग युवा पीढ़ी के लिए जीवन की सही दिशा तय करने का आधार बन सकते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं, बल्कि वे मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करने वाले भी होते हैं। शिक्षक दिवस और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी ऐसे ही दो महत्वपूर्ण अवसर हैं, जो अलग-अलग रूपों में हमें ज्ञान, अनुशासन, कर्तव्य, साहस और मानवीय मूल्यों की सीख दे रहे हैं। आज के आधुनिकतम युग में जब युवा पीढ़ी तेज तकनीकी बदलाव, सोशल मीडिया के दबाव, प्रतिस्पर्धा और करियर की अनिश्चितताओं के बीच अपना रास्ता तलाश रही है, तब इन दोनों अवसरों का महत्व और बढ़ गया है। शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि किसी भी समाज का भविष्य केवल उसके आर्थिक संसाधनों या तकनीकी विकास से तय नहीं होता, बल्कि उसकी शिक्षा और संस्कार भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं है। वह विद्यार्थी को सही और गलत में अंतर करना, असफलता से सीखना, प्रश्न पूछना और परिस्थितियों का सामना करना सिखाता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि जीवन के लिए तैयार करता है। वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक ने अभूतपूर्व संभावनाएं पैदा की हैं। मोबाइल फोन, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ज्ञान तक पहुंच आसान कर दी है। ऐसे में जरुरी हो जाता है कि सूचना और ज्ञान के अंतर को समझा जाए। यह समझना भी उचित होगा कि इंटरनेट हमें हजारों उत्तर दे सकता है, पर कौन-सा उत्तर सही है और उसका उपयोग किस तरह करना है, यह विवेक हमें शिक्षा और संस्कार से ही मिलता है। इसलिए युवा पीढ़ी को तकनीक का गुलाम बनने के बजाय उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीखना ही होगा। युवाओं के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक लगातार बढ़ता स्क्रीन टाइम भी है।

सोशल मीडिया पर दूसरों की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझना, लाइक्स और फॉलोअर्स को उपलब्धि का पैमाना मान लेना तथा आभासी दुनिया में अत्याधिक समय बिताना मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे समय में शिक्षक की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक युवाओं को यह समझा सकते हैं कि वास्तविक सफलता केवल दिखावे में नहीं, बल्कि ज्ञान, चरित्र, मेहनत और समाज के प्रति जिम्मेदारी में है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हमें इसी जीवन-दर्शन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष समझाती है। श्रीकृष्ण का कारागार में जन्म और जीवन संघर्षों के बीच विवेक, साहस और कर्म का संदेश देता है।

लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान

बीईएमएल में नॉन-एग्जीक्यूटिव के 10 पदों पर बंपर भर्ती, 8 सितंबर है आवेदन की अंतिम तिथि

सार्वजनिक क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित उपक्रम, ने उन नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक शानदार अवसर की घोषणा की है जो एक अच्छे करियर की तलाश में हैं। कंपनी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक विस्तृत अधिसूचना जारी करते हुए नॉन-एग्जीक्यूटिव पदों पर कार्यकाल के आधार पर कुल 10 रिक्तियों की घोषणा की है। यह भर्ती विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में डिप्लोमा धारकों को लक्षित करती है और यह एक आकर्षक वेतन पैकेज और अन्य लाभों के साथ एक स्थिर पेशेवर यात्रा शुरू करने का मौका प्रदान करती है। जारी अधिसूचना के अनुसार, इन 10 रिक्तियों में सामान्य वर्ग के लिए 6 पद, अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 1 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 2 पद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्यूएस) के लिए 1 पद निर्धारित किया गया है। इन महत्वपूर्ण पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 18 अगस्त से शुरू हो चुकी है, और इच्छुक व योग्य उम्मीदवार 8 सितंबर तक, रात 8 बजे तक अपनी पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आवेदन समय पर जमा हो जाए, उम्मीदवारों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द आवेदन करने की सलाह दी जाती है। इन नॉन-एग्जीक्यूटिव पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता

प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 3 वर्ष का फुल-टाइम पॉलिटेक्निक इंजीनियरिंग डिप्लोमा होना अनिवार्य है। यह डिप्लोमा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन, इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स या मेकाट्रॉनिक्स में से किसी एक विषय में होना चाहिए। यह योग्यता सुनिश्चित करती है कि चयनित उम्मीदवारों के पास संबंधित क्षेत्रों में आवश्यक तकनीकी ज्ञान और कौशल हो। आवेदकों की अधिकतम आयु 29 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 8 सितंबर, 2026 के आधार पर की जाएगी। हालांकि, आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को सरकारी नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट प्रदान की जाएगी। योग्य उम्मीदवारों का चयन एक बहु-चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें आवेदनों की प्रारंभिक जांच के बाद शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी। इसके उपरांत, कंप्यूटर-आधारित लिखित परीक्षा (सीबीटी) आयोजित की जाएगी और सफल उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाएगा। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा। इन पदों पर चयनित होने वाले उम्मीदवारों को 23,910 रुपये प्रति माह का मूल वेतन दिया जाएगा, जिसके साथ अन्य लाभ और भत्ते भी प्रदान किए जाएंगे, जो इसे एक आकर्षक अवसर बनाता है।

आवेदन पत्र भरते समय, सामान्य (जनरल), ईडब्ल्यूएस (ईडब्यलएस) और ओबीसी (ओबीसी) श्रेणी के उम्मीदवारों को 200 रुपये का आवेदन शुल्क ऑनलाइन माध्यम से जमा करना होगा। वहीं, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और विकलांग व्यक्तियों की श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क में पूर्ण छूट प्रदान की गई है, जिससे सभी वर्गों के लिए यह अवसर सुलभ बन सके। उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा की तिथि, समय और स्थान की सूचना उनके पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से दी जाएगी।

प्रेरक प्रसंग

मन तिलक के प्रति श्रद्धा से अभिभूत हो गया

एक बार बाल गंगाधर अपने कुछ मित्रों के साथ बात कर रहे थे। उन दिनों उन्होंने वकालत पास की थी। एक मित्र बोला, 'तिलक, वकालत तो तुमने पास कर ली है। किंतु आगे के लिए क्या सोचा है? क्या अब सरकारी नौकरी करोगे याकिसी कोर्ट कचहरी में वकालत?' मित्र की बात सुनकर तिलक बोले,'अब तुमने पूछ ही लिया है तो सुन लो। मुझे ऐसे पैसे की जरूरत नहीं जो मुझे सरकार का गुलाम बना कर रखे। मैं ऐसी वकालत नहीं करना चाहता जहां दिन में कई बार झूठ बोलना पड़े।'? बात आई-गई हो गई। सभी अपने-अपने कामों में लग गए। एक दिन उनकी मित्र-मंडली को पता चला कि बाल गंगाधर ने एक स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया है। तनख्वाह है तीस रुपए महीना। यह सुनकर उस मित्र को सबसे ज्यादा आश्चर्य हुआ जिसने कुछ समय पूर्व उनका मन जानना चाहा था। वह सीधे तिलक के पास जा पहुंचा और बोला, 'यह तुमने क्या किया तिलक? वकालत की डिग्री लेकर अध्यापक क्यों बने? क्या तुम शिक्षकों की आर्थिक स्थिति के बारे में नहीं जानते? दोस्त! जब तुम अंतिम सांस लोगे, तब तुम्हारे दाह-संस्कार के लिए भी घर में कुछ नहीं होगा।' मित्र की बात सुनकर तिलक मुस्कुराते हुए बोले, 'मैंने जो पेशा चुना है वह बहुत पवित्र है, ईमानदारी वाला है। रही अंतिम समय की बात तो मेरे दाह संस्कार का प्रबंध नगरपालिका कर देगी। मैं इसकी चिंता क्यों करूं?' तिलक की बात सुनकर मित्र हैरान रह गया। उसने आज तक संतुष्टि के ऐसे भाव किसी व्यक्ति में नहीं देखे। वह मन ही मन तिलक के प्रति श्रद्धा से अभिभूत हो गया।

संक्षिप्त समाचार

श्री महालक्ष्मी मंदिर स्थित श्रीकृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी पर भक्तों ने किए दर्शन

खंडवा। जन्माष्टमी का पर्व बडे धार्मिक उत्साह के साथ शहर के लाल चौकी स्थित महालक्ष्मी मंदिर परिसर में स्थित श्रीकृष्ण मंदिर में मनाया गया। मंदिर में राधाकृष्ण की मनोहारी प्रतिमा के फूलों के श्रृंगार के साथ ही भगवान बाल गोपाल कृष्ण का आकर्षक झूला सजाया गया, श्रद्धालुओं ने दर्शन कर झूला झुलाया। रात्रि 9 से मंदिर से 12 बजे तक संगीतमय भजन रामेश्वर की भजन मंडली ने प्रस्तुत किए गए एवं रात्रि 12 बजे जन्मोत्सव की आरती की गई। आरती के बाद माखन मिश्री पंजरी का प्रसाद भक्तों को वितरित किया गया। ट्रस्ट कोषाध्यक्ष शैलेष पालीवाल ने बताया कि इस मौके पर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुभाष खण्डेलवाल, सचिव राकेश झंवर, लखनलाल नागौरी, गुरमीतसिंह उबेजा, मधुकांता खण्डेलवाल, अखिलेश गुप्ता, अलकेश गुप्ता, शरद खण्डेलवाल, राकेश पालीवाल, मंगलेश उपाध्याय, चंद्रशेखर मिश्रा, संतोष यादव, संजय शुक्ला, आनंद गुप्ता सहित श्रद्धालुगण जन्मोत्सव आरती में शामिल हुए।

शिक्षक दिवस पर राज्य शिक्षक संघ ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

सीहोर। राज्य शिक्षक संघ जिला सीहोर द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों पर लागू की जा रही TET परीक्षा के विरोध में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने शासन एवं विभाग की नीतियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्रावधान को शिक्षकों के हितों के विरुद्ध बताया। राज्य शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विश्वजीत त्यागी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षकों पर TET परीक्षा थोपना उचित नहीं है। उन्होंने शासन से मांग की कि शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उक्त कानून को तत्काल विधानसभा में विधेयक लाकर समाप्त किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा इस कानून को समाप्त नहीं किया गया तो शिक्षक एवं कर्मचारी संगठन इसके खिलाफ उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। संघ की ओर से जिले के समस्त शिक्षकों से अपील की गई कि वे किसी भी परिस्थिति में TET परीक्षा का फॉर्म न भरें और संगठन की मांग के समर्थन में एकजुट रहें।

कन्या शिक्षा परिसर सीहोर में मनाया गया शिक्षक दिवस का भव्य कार्यक्रम

सीहोर। माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, सीहोर में सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित विद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्राओं ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नाटक एवं गीतों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। नाटक के माध्यम से शिक्षक के जीवन में महत्व, उनके समर्पण तथा विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनकी भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

युवाओं को रोजगार के लिए युवा संवाद कार्यक्रम से जुड़ना होगा : जायसवाल

विधायक ने औद्योगिक इकाइयां शुरू करा दी है अब रोजगार के लिए युवाओं को सक्रिय होना होगा

युग प्रदेश, सीहोर

युवाओं को स्वयं का डेवलपमेंट करना होगा। स्वरोजगार के लिए युवा संवाद कार्यक्रम से जुड़ना होगा। विधायक जी ने औद्योगिक इकाइयां शुरू करा दी हैं अब युवाओं को सक्रिय होना होगा उक्त बात शनिवार को दोराहा भाजपा मंडल के द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम आयोजन को लेकर आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक प्रतिनिधि राजकुमार रिंकू जायसवाल ने कही। उन्होंने कहा कि जन-जन तक गांव गांव तक युवा संवाद कार्यक्रम को पहुंचना है। हर एक युवा को कार्यक्रम से जोड़कर उन्नति प्रगति और देश सेवा का अवसर उपलब्ध कराना है।

विधायक सुदेश राय युवाओं के लिए रोजगार के शुभ अवसर पैदा कर रहे हैं अफसर का लाभ उठाने के लिए युवाओं को सक्रिय होना है। प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह घर-घर दस्तक दे और युवा संवाद कार्यक्रम की जानकारी युवाओं को उपलब्ध कारण यही हमारा धर्म कर्तव्य और लक्ष्य है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य मंडल अध्यक्ष सुरेश विश्वकर्मा जिला संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ ऐलम सिंह दांगी अहमदपुर मंडल अध्यक्ष प्रीतम गोर धर्मेन्द्र बैरागी मोहन माली सोदान सिंह मीना रमेश मीणा विनोद सिसोदिया अभिषेक तिवारी अभिषेक सिसोदिया शिवनारायण मीणा पर्वत मीणा रामबाबू पाटीदार दीवान ठाकुर भीम सिंह गुर्जर अरविन्द दांगी रघुवीर दांगी प्रदीप दांगी राकेश पटेल राकेश मैवाड़ा कैलाश मीणा श्रीराम लोधी अवतार पाल दीपक चौकसे कमल लोधी प्रदीप वर्मा इमरान खान रफीक उल्लाह रईश खान भूपेन्द्र ठाकुर प्रेमनारायण मीणा दीपक शर्मा बलबंत मैवाड़ा महेन्द्र आदि शामिल है।

जिला बदर आरोपी को पनाह देकर पुलिस से बचाने वाला गिरफ्तार, जेल भेजा

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई, आरोपी के खिलाफ राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत बढ़ाई धारा

युग प्रदेश, रायसेन

रायसेन जिला बदर किए गए आरोपी को पुलिस गिरफ्तारी से बचाने के लिए जानबूझकर आश्रय देने के मामले में कोतवाली पुलिस ने एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मामले में गिरफ्तार आरोपी की भूमिका जांच के दौरान सामने आई थी। जानकारी के अनुसार 4 सितंबर को ग्राम पठारी निवासी 27 वर्षीय राहुल बेदी पिता रतनसिंह बेदी को जिला बदर आदेश का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। राहुल बेदी के खिलाफ जिला दण्डाधिकारी रायसेन के आदेश क्रमांक/पृ.क्रं. 29/जिला बदर/2024, दिनांक 11 मई 2026 के तहत जिला बदर की कार्रवाई प्रभावशील थी। आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर उसके खिलाफ धारा 223(बी) बीएनएस एवं धारा 14 मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

जांच में सामने आई पनाह देने की भूमिका

प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि जिला बदर आदेश प्रभावशील होने के बावजूद राहुल बेदी को ग्राम पठारी निवासी 26 वर्षीय शुभम बेदी पिता स्व. भंवरलाल बेदी द्वारा जानबूझकर आश्रय दिया गया और उसे पुलिस की गिरफ्तारी से बचाने में मदद की गई। पुलिस ने इस भूमिका को गंभीरता से लेते हुए शुभम बेदी के खिलाफ धारा 32 मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 का इजाफा किया। कोतवाली पुलिस ने 5 सितंबर को शुभम बेदी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे भी न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

राहुल बेदी पर पहले से दर्ज हैं कई मामले

पुलिस के अनुसार जिला बदर आरोपी राहुल बेदी के खिलाफ कोतवाली थाने में वर्ष 2017 से लेकर वर्ष 2026 तक कुल नौ अपराध दर्ज हैं। इनमें मारपीट, गाली-गलौज, धमकी, जुआ अधिनियम, आर्म्स एक्ट, एससी/एसटी एक्ट सहित बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामले शामिल हैं। वर्ष 2024 और 2025 में भी उसके खिलाफ कई प्रकरण दर्ज हुए हैं। वर्ष 2026 के प्रकरण क्रमांक 538/2026 में जिला बदर आदेश के उल्लंघन से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं।

शुभम बेदी का भी आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक शुभम बेदी के खिलाफ भी अलग-अलग थानों में पांच प्रकरण दर्ज हैं। इनमें देहगांव थाने में चोरी से संबंधित धारा 379 आईपीसी का मामला, क्राइम ब्रांच भोपाल में आर्म्स एक्ट का मामला तथा कोतवाली थाने में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के प्रकरण शामिल हैं। वर्तमान मामले में जिला बदर आरोपी को आश्रय देने के आरोप में उसके खिलाफ मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 32 जोड़ी गई है।

पुलिस टीम की अहम भूमिका

पूरी कार्रवाई SDOP प्रतिभा शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र गोयल, उप निरीक्षक शैलेन्द्र दायमा, उप निरीक्षक श्रद्धा उईके, सहायक उप निरीक्षक प्रयागनारायण चतुर्वेदी, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र रजक तथा आरक्षक कपिल जाट की अहम भूमिका रही। पुलिस ने जिला बदर आदेश के उल्लंघन और ऐसे आरोपी को संरक्षण देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश दिया है।

5000+ आबादी वाली पंचायतें बनेंगी 'मिनी नगर परिषद'!

सीईओ जिला पंचायत का खुटार-ढेंकी दौरा, विकास कार्यों की समीक्षा, अनियमितता मिली तो होगी सख्त कार्रवाई

युग प्रदेश, सिंगरौली

जिले में ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर नागरिक सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में जिला पंचायत ने नई पहल शुरू की है। 5000 से अधिक आबादी वाली ग्राम पंचायतों को नगर परिषद की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत संघ प्रिय, आईएएस ने खुटार एवं ढेंकी पंचायत का निरीक्षण कर विकास कार्यों, पंचायत की आय, स्वच्छता व्यवस्था और उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा की। खुटार पंचायत में उन्होंने पंचायत की स्वयं की आय बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। निमार्णाधीन मीटिंग हॉल और 9 दुकानों का निर्माण शीघ्र पूरा कराने के साथ घरों और बाजार क्षेत्र से नियमित कचरा संग्रहण शुरू करने तथा कचरा वाहन की व्यवस्था करने को कहा।

सीईओ ने निर्देश दिए कि जिले की 5000 से अधिक आबादी वाली पंचायतों में एक माह के भीतर संपत्ति कर एवं जल कर की वसूली और कचरा संग्रहण व्यवस्था शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि बड़ी पंचायतों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर उन्हें नगर परिषद की तर्ज पर विकसित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छता, राजस्व और मूलभूत नागरिक सुविधाएं बेहतर मिल सकें। खुटार में निर्माण कार्यों में अनियमितता की शिकायतों पर उन्होंने मौके पर जांच भी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में गड़बड़ी सामने आने पर जिम्मेदारों को बख्शा नहीं जाएगा और नियमानुसार कठोर कार्रवाई होगी। जिला पंचायत न्यायालय से जुड़े मामलों में वसूली योग्य राशि की वसूली के लिए संबंधितों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। इसके बाद ढेंकी पंचायत में क्षतिग्रस्त पुलिया के पास मिट्टी कटाव का निरीक्षण कर रिटेनिंग वॉल निर्माण के निर्देश दिए गए। सामुदायिक भवन में पानी रिसाव की समस्या का तत्काल निराकरण कराने को भी कहा गया।

सेंट आर सेटी में 35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ

महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर

युग प्रदेश, रायसेन

रायसेन स्थित सेंट आर सेटी में ब्यूटी पार्लर का 35 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम का वर्चुअल शुभारंभ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को ब्यूटी पार्लर से संबंधित व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत रायसेन अध्यक्ष यशवंत मीना, नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन तथा राकेश शर्मा उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं और युवतियां आत्मनिर्भर बन सकती हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से पूरी लगन, मेहनत और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने का आह्वान किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रतिभागी ब्यूटी पार्लर का स्वयं का व्यवसाय शुरू कर रोजगार के साथ-साथ अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण उपरांत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

सेंट आर सेटी की गतिविधियों की दी जानकारी : कार्यक्रम के दौरान सेंट आर सेटी के डायरेक्टर राकेश कुमार ने संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं अब तक की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया।

ग्रामीण युवतियों को कौशल से सशक्त बनाने की पहल

नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

युग प्रदेश, सीहोर

ग्रामीण युवतियों को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। माननीय केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण का 4 जिलो मैं उदघाटन किया गया, जिसमें सीहोर देवास रायसेन एवं विदिशा शामिल है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की युवतियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोडकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में सीहोर विधायक सुदेश राय, आष्टा विधायक गोपाल इंजीनियर, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के मंत्री रवि मालवीय, राजस्व मंत्री प्रतिनिधि विष्णु वर्मा, जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेंद्र मेवाड़ा, नगरपालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नवदी बाई बरेला, अपर कलेक्टर सीहोर ब्रजेश सक्सेना, बैंक ऑफ इंडिया के अग्रणी जिला प्रबंधक जयदीप भट्टाचार्य, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक अमित गुप्ता सहित संस्थान के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने ग्रामीण युवतियों को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की इस पहल को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रोजगारपरक कौशल युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलते हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कर युवतियां स्वयं का रोजगार स्थापित कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न रोजगारपरक कौशल का नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 6 सितंबर को मंडीदीप और औबेदुल्लागंज में आयोजित कार्यक्रमों में होंगे शामिल

युग प्रदेश, रायसेन

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 6 सितंबर को रायसेन जिले के मंडीदीप और औबेदुल्लागंज में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उनके दौरे को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां पूरी की जा रही हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिवराज सिंह चौहान सुबह 10 बजे भोपाल से रवाना होकर 10:30 बजे सिविल अस्पताल मंडीदीप पहुंचेंगे। यहां वे पौधरोपण सहित अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके बाद सुबह 11 बजे सिविल अस्पताल मंडीदीप से रवाना होकर 11:15 बजे कृषि उपज मंडी परिसर पहुंचेंगे। कृषि उपज मंडी परिसर मंडीदीप में आयोजित शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शामिल होंगे। कार्यक्रम में शिक्षकों और प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान दोपहर 12:45 बजे मंडीदीप से औबेदुल्लागंज के लिए रवाना होंगे और दोपहर 1 बजे शासकीय सांदीपनि स्कूल पहुंचेंगे। यहां लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम के साथ मेधावी छात्रवृत्ति कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय कृषि मंत्री दोपहर 3 बजे शासकीय सांदीपनि स्कूल, औबेदुल्लागंज से भोपाल के लिए रवाना होंगे। केंद्रीय मंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा कार्यक्रम स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

'शिक्षक दिवस पर विशेष शिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ का किया सम्मान'

वसुंधरा के विशेष शिक्षक दिव्यांग बच्चों के सपनों को दे रहे नई उड़ान : प्रशांत चौबे

युग प्रदेश, सीहोर

शिक्षक दिवस के अवसर पर वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित वसुंधरा विशेष विद्यालय, ब्रह्मपुरी कॉलोनी, बिलकिसगंज रोड, सीहोर में विशेष बच्चों के साथ शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीहोर प्रशांत चौबे रहे। इस अवसर पर हरिओम शर्मा दाऊ, ऋषिराज शर्मा, लोकेश राठी, संचालक एडवांस कम्प्यूटर सीहोर, श्रीमती रीतिका राठी एवं संस्था अध्यक्ष डॉ. अर्जुन सिंह सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। विद्यालय के दिव्यांग बच्चों ने अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। इसके बाद विशेष बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रशांत चौबे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीहोर द्वारा शिक्षक एवं समाजसेवी हरिओम शर्मा दाऊ, ऋषिराज शर्मा, लोकेश राठी एवं श्रीमती रीतिका राठी का सम्मान किया गया। साथ ही वसुंधरा विशेष विद्यालय के शिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्राचार्य श्रीमती बबीता प्रजापत, शिक्षिका श्रीमती अपेक्षा रैकवार, कार्यकर्ता तरुण श्रीवास्तव, लेखाकार एवं व्यावसायिक प्रशिक्षिका सुश्री आस्था खत्री, व्यावसायिक प्रशिक्षक ओजस नेमा, फिजियोथेरेपिस्ट रविंद्र जायसवाल, संगीत शिक्षिका श्रीमती मनीषा वर्मा, केयरटेकर श्रीमती रीना मालवीय, केयरटेकर सुश्री मुस्कान चौहान, हिमांशु एवं सहायक श्रीमती लक्ष्मी शामिल रहे। मुख्य अतिथि प्रशांत चौबे ने वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

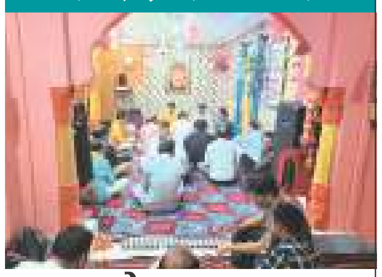

धूमधाम के साथ मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

शाढौरा। स्थानीय सोनी मंदिर पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पाबन अवसर पर आसपास के क्षेत्रो में ब नगर में भक्तों में खासा उत्साह देखा गया । मंदिरों से लेकर घरों तक कान्हा के जन्मोत्सव की तैयारियां की गई दिनभर व्रत रखने के बाद भक्तो ने रात में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को धूमधाम के साथ मनाया वही मध्य रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर मंदिरों में भारी संख्या में भक्त पहुंचे और हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की नंद के आनंद भयो यशोदा के लाल भहे जय कन्हैया लाल की के जयकारे गूंजे।मंदिरों और घरों में बाल गोपाल के लिए सुंदर झूले सजाए गए। मंदिरों में रातभर भजन-कीर्तन और भजन मंडली द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन हुआ कृष्ण जन्म होने के बाद श्रद्धालुओं द्वारा बधाई गीत गाए गए। रात को मंदिरों में शंख-घंटियों की गूंज के बीच बाल गोपाल की आरती की गई और भगवान को झूला - झुलाया गया। श्रीकृष्ण बांके बिहारी मंदिर में सभी प्रमुख मंदिरों को फूलों, दीपों और रंग-बिरंगी लाइटों मंदिर को सजाया गया था जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा।

कलेक्टर ने अमाही तालाब, ग्राम पंचायत भौंरा काछी का निरीक्षण किया

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय ने शनिवार को अमाही तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से वर्तमान जलस्तर की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ग्राम पंचायत भौंरा काछी का निरीक्षण किया। उन्होंने राशन वितरण की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी सोमवार को ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाए। विशेष ग्राम सभा में राशन वितरण पर समीक्षा कर समस्या और सुझाव पर चर्चा की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी अशोकनगर इसरार खान,प्रभारी सहायक आपूर्ति अधिकारी प्राची शर्मा ने दुर्गा स्व सहायता समूह द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान भौंरा काछी का निरीक्षण किया।मौके पर विक्रेता उपस्थित नहीं मिली सहायक विक्रेता जसवंत कुशवाह उपस्थित मिले। दुकान पर स्टॉक भाव सूची तारीख संधारित नहीं पाई गई। मौके पर सतर्कता समिति का बोर्ड भी प्रदर्शित नहीं पाया गया।

जिला चिकित्सालय पहुंचकर कलेक्टर ने किया ब्लड बैंक का निरीक्षण

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय ने शनिवार को जिला चिकित्सालय पहुंचकर ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ब्लड बैंक में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा विभिन्न दस्तावेजों एवं अभिलेखों का परीक्षण किया। कलेक्टर श्री मालवीय ने ब्लड बैंक में रक्त संग्रहण,उपलब्ध रक्त की स्थिति, वितरण व्यवस्था तथा दैनिक रिकॉर्ड का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए दस्तावेजों का नियमित रूप से संधारण एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक में रक्त की उपलब्धता एवं वितरण से संबंधित समस्त जानकारी व्यवस्थित एवं पारदर्शी रूप से दर्ज की जाए। साथ ही रक्तदाताओं से संबंधित रिकॉर्ड,रक्त संग्रहण एवं परीक्षण की प्रक्रिया तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों का नियमानुसार संधारण सुनिश्चित किया जाए।

पीएमश्री शासकीय बालक माध्यमिक विद्यालय में हुआ आयोजन

भैरूंदा में धूमधाम से मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

युग प्रदेश, भैरूंदा

पीएमश्री शासकीय बालक माध्यमिक विद्यालय भैरूंदा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती एवं भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर पूजन-अर्चन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात कक्षा 8 की छात्रा पलक सोनी एवं उनकी सहपाठियों द्वारा सुमधुर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवा भारती भैरूंदा के अध्यक्ष विजयेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में जनपद शिक्षा केंद्र भैरूंदा के बीआरसीसी विजय पंवार, बीएसी बी. एस. कीर तथा शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष श्री विनोद मेहरा मंचासीन रहे। विद्यार्थियों के लिए आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में कक्षा 6 की छात्रा अवनी यादव एवं कक्षा 3 के छात्र अल्फेज खान ने बाजी मारी। शालेय विद्यार्थी प्रमुख श्री आदर्श जी शर्मा द्वारा मटकी फोड़ कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत श्रीकृष्ण बालस्वरूप सज्जा (झांकी) आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें नर्सरी के छात्र जीशान खान को उनके मनमोहक कृष्ण स्वरूप के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों ने उनके बालस्वरूप की सराहना की और साथ में तस्वीरें खिंचवाईं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं प्रतियोगिताएं

अतिथियों के स्वागत एवं स्वागत गीत के उपरांत आयोजित भजन प्रतियोगिता में कक्षा 8 की छात्रा रागिनी ने उत्कृष्ट गायन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री विनोद मेहरा ने अपनी मधुर आवाज में भगवान श्रीकृष्ण के भजन गाकर सभी का मन मोह लिया। वहीं संगीत शिक्षक मयंक नागवे द्वारा प्रस्तुत किए गए भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

अतिथियों का उद्बोधन : बीआरसीसी श्री विजय पंवार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में भगवान श्रीकृष्ण के विचारों और कर्मयोग की सीख को अपने जीवन में उतारना बेहद आवश्यक है। बीएसी श्री बी. एस. कीर ने विद्यालय के शैक्षणिक व सांस्कृतिक स्तर की सराहना करते हुए कहा कि पीएमश्री विद्यालय का यह परिसर आसपास के अन्य विद्यालयों के लिए एक उत्कृष्ट प्रेरणास्त्रोत का केंद्र बनता जा रहा है।

पुरस्कार वितरण एवं आभार : कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि विजयेन्द्र शर्मा, मयंक नागवे एवं बी. एस. कीर द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता एवं प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार और टॉफियां बांटी गईं। मध्यान्ह भोजन में वीरांगना लक्ष्मीबाई स्वसहायता समूह द्वारा सभी विद्यार्थियों के लिए विशेष सुरुचिपूर्ण भोजन की व्यवस्था की गई। आयोजन को सफल बनाने में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती रंजिता सैनी सहित समस्त विद्यालय स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही।

राशन दुकानों पर अब दोहरी नजर

कलेक्टर ने कसा शिकंजा, मनमानी की शिकायत सीधे व्हाट्सएप पर

युग प्रदेश, शिवपुरी

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में गड़बड़ी की शिकायतों के बीच कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने राशन व्यवस्था की निगरानी का दायरा बढ़ा दिया है। अब उपभोक्ता राशन दुकान की मनमानी की सूचना सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने व्हाट्सएप हेल्पलाइन 79879 56573 शुरू की है। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। दुकान समय पर नहीं खुलने, पीओएस मशीन खराब होने, अंगूठा लगाने के बाद राशन नहीं मिलने, निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न देने, रसीद नहीं देने अथवा मशीन में वितरण दर्ज होने के बावजूद राशन नहीं मिलने जैसी शिकायतें हेल्पलाइन पर भेजी जा सकेंगी। शिकायत के साथ दुकान का नाम या क्रमांक और फोटो-वीडियो भी भेजे जा सकते हैं।

अब राशन दुकानों पर सीईओ की भी नजर

कलेक्टर वर्मा ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को राशन दुकानों के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। अधिकारी भौतिक स्टॉक, वितरण व्यवस्था और हितग्राहियों को मिल रहे खाद्यान्न की जांच करेंगे। प्रशासन का लक्ष्य पात्र परिवारों तक समय पर और पूरी मात्रा में राशन पहुंचाना है।

समाचारों पर संज्ञान, चार सदस्यीय जांच दल गठित

राशन अनियमितता तथा ऑनलाइन पोर्टल पर अतिरिक्त आवंटन दर्शाकर बैलेंस बढ़ाने और खाद्यान्न गायब करने संबंधी शिकायतों पर कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए हैं। एसडीएम शिवपुरी आनंद सिंह राजावत की अध्यक्षता में चार सदस्यीय दल गठित किया गया है। इसमें कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी जगदीप सिंह, जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन रवि शर्मा और सहायक ग्रेड-2 विपिन जैन शामिल हैं। दल को 15 दिवस में तथ्यात्मक एवं तकनीकी जांच रिपोर्ट सौंपनी होगी। साथ ही राशन वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के सुझाव भी देने होंगे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि पीडीएस में अनियमितता या लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डेंगू मलेरिया को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

206 घरों में सर्वे, 65 घरों में मिला मच्छरों का लार्वा, मौके पर नष्ट

युग प्रदेश, शिवपुरी

बारिश के बाद डेंगू-मलेरिया के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने रोकथाम अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर अर्पित वर्मा निर्देश एवं सीएमएचओ डॉ. संजय ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में मलेरिया विभाग और नगरपालिका की संयुक्त टीमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लार्वा सर्वे, विनिष्टीकरण और फॉगिंग कर रही हैं। सईसपुरा और हम्माल मोहल्ले में 206 घरों के सर्वे के दौरान 65 घरों में मच्छरों का लार्वा मिला, जिसे टीमों ने मौके पर ही नष्ट किया। वहीं आरडीटी किट से 101 संदिग्धों की मलेरिया जांच की गई, सभी रिपोर्ट निगेटिव आईं।

सीएमएचओ डॉ. ऋषिश्वर की अपील- बुखार को हल्के में न लें : डॉ. संजय ऋषिश्वर ने नागरिकों से अपील की है कि तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, आंखों के पीछे दर्द, जोड़ों-मांसपेशियों में दर्द, कमजोरी या त्वचा पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखें तो तत्काल चिकित्सकीय सलाह लें। उन्होंने कहा कि घरों में पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, टायर, टूटे बर्तन और खुले टैंकों की नियमित सफाई करें तथा कूलर का पानी सप्ताह में कम से कम एक बार खाली कर सुखाएं। मच्छरदानी, पूरी बांह के कपड़े और मच्छररोधी साधनों का उपयोग करें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शासकीय अस्पतालों में डेंगू-मलेरिया की जांच व उपचार निःशुल्क उपलब्ध है।

शिक्षा के मार्गदर्शक शिक्षकों का किया सम्मान

युग प्रदेश, खरगोन

शिक्षकों के अमूल्य योगदान के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, NTPC Khargone ने बाल भारती पब्लिक स्कूल (BBPS) के शिक्षकों को युवा मस्तिष्कों को संवारने और भावी पीढ़ी को दिशा देने के प्रति उनके समर्पण के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षकों और NTPC Khargone के नेतृत्व ने गर्मजोशी, सराहना और कृतज्ञता से भरे माहौल में सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केशब चंद्र सिंहा राय, HOP, NTPC Khargone ने शिक्षकों के शिक्षा के प्रति समर्पण और विद्यार्थियों के समग्र विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का प्रभाव केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह युवा मन में संस्कार, आत्मविश्वास और जीवनभर सीखते रहने की भावना भी विकसित करता है। इस अवसर पर अमित कुमार, GM (TS), सी. राजीव, GM (Operation & FM), तथा श्रीमती प्रतिभा सिंह, HOHR भी उपस्थित रहीं और शिक्षकों के योगदान की सराहना में सहभागी बनीं।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भरते हुए शिक्षकों ने एक मधुर गीत प्रस्तुत किया, जिसने पूरे माहौल को उमंग और आत्मीयता से भर दिया। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में सौहार्द और उत्सव की भावना को और भी खूबसूरत बना दिया। यह सम्मान समारोह उन शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास रहा, जो समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक–अगली पीढ़ी को शिक्षित, प्रेरित और सशक्त बनाने–के लिए निरंतर समर्पित हैं।

प्रभावितों के लिए खुली मदद की राह

बारिश में राहत की कमान नपाध्यक्ष ने संभाली

युग प्रदेश, शिवपुरी

लगातार बारिश से जलभराव और नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर के बीच नगर परिषद ने राहत मोर्चा संभाल लिया है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रश्मि-नेपाल वर्मा ने पानी से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 91310 44122 जारी करते हुए जरूरतमंदों से तत्काल सूचना देने की अपील की है। अध्यक्ष श्रीमती रश्मि-नेपाल वर्मा ने कहा कि जिन परिवारों के घरों में पानी भरने से चूल्हा नहीं जल पा रहा है या भोजन की व्यवस्था प्रभावित हुई है, वे बिना संकोच हेल्पलाइन पर संपर्क करें। सूचना मिलते ही नगर परिषद की ओर से प्रभावित परिवारों तक भोजन के पैकेट पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि विपरीत मौसम में राहत और सहायता को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि जलभराव से प्रभावित किसी परिवार को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने नागरिकों से भी सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि तेज बहाव वाले नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें। विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को पानी वाले क्षेत्रों में जाने से रोकने की अपील की गई है। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि जरूरतमंद परिवारों की सूचना मिलने पर राहत पहुंचाने में अनावश्यक देरी नहीं होने दी जाएगी।

आस्था: संत बोंदरु बाबा समाधि स्थल पर लगा भादौ नवमी मेला

नि:संतान दंपत्तियों को मिला कच्ची कैरी का प्रसाद, मन्नत लेने और उतारने उमड़ी भक्तों की भीड़

युग प्रदेश, खरगोन

शहर से करीब 10 किमी दूर ग्राम नागझिरी ऐसे चमत्कारी संत की समाधि स्थल के रुप में प्रसिद्ध है, जहां बेमौसम मिलने वाली कच्ची कैरी का प्रसाद ग्रहण करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सूख मिलता है। ऐसी ही आस्था लेकर शनिवार को भी सैंकड़ों की संख्या में महिलाएं बाबा के समाधि स्थल पहुंची। यहां एक दिन पहले ही याने शुक्रवार से ही मन्नत लेने वाली महिलाएं मंदिर परिसर पहुंचने लगी थी।

कोई आंगन में किलकारी गुंजने की आस लिए तो कोई किलकारी गुंजने पर खुशी जताने के लिए संत बोंदरु बाबा की समाधि स्थल पहुंचा। इस दौरान लगे मेले में भी हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने झूले, खेल-खिलौने खरीदने के साथ ही विभिन्न प्रसाधन की दुकानों पर खरीददारी की। खाने-पीने की दुकानों पर भी भारी भीड़ रही। मेले में आई महिलाओं ने बताया कि बाबा के चमत्कार और महिमा को सुनकर समाधि स्थल पहुंचे है। हमें आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि बाबा के यहां मिलने वाला प्रसाद ग्रहण करने के बाद हमारे घर भी खुशियां आएगी। मेले में खरगोन जिले देश के विभिन्न राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से देर शाम तक नागझिरी में भक्ति का माहौल बना रहा।

श्री द्वारिकाधीश मंदिर में दधिखाना महोत्सव, मटकी छेदन और जयघोष से गूंजे प्राचीन मंदिर

युग प्रदेश, विदिशा

जन्माष्टमी के बाद किले अंदर स्थित प्राचीन मंदिरों में भाद्रपद कृष्ण नवमी के अवसर पर शनिवार को दधिखाना महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। श्री द्वारिकाधीश मंदिर से शुरू हुए आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भजन-कीर्तन और भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। महोत्सव की शुरूआत श्री द्वारिकाधीश मंदिर में दधि-कलश और मटकी छेदन के साथ हुई। जयकारों के बीच श्रद्धालुओं की शोभायात्रा धर्माधिकारी कार्यालय स्थित प्राचीन श्री राधा-कृष्ण मंदिर पहुंची। यहां

भजन मंडली के साथ श्रद्धालुओं ने 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' सहित विभिन्न भक्ति गीतों का गायन किया और श्रीकृष्ण प्राकट्योत्सव की बधाई दी। इसके बाद कीर्तन मंडली कार्तिक चौक स्थित सत्यनारायण मंदिर और श्री लक्ष्मी व्यंकटेश बालाजी मंदिर पहुंची। दोनों मंदिरों में बधाई गीत गाए गए और मटकी छेदन की परंपरा निभाई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। किले के अंदर स्थित इन प्राचीन मंदिरों में दधिखाना महोत्सव के दौरान श्रद्धा, भक्ति और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला।

बढ़ती आबादी के साथ बढ़ी LPG की जरूरत विदिशा में नई गैस एजेंसी की मांग

युग प्रदेश, विदिशा

शहर की लगातार बढ़ती आबादी और तेजी से हो रहे शहरी विस्तार के बीच LPG उपभोक्ताओं की संख्या भी बढ़ रही है। ऐसे में शहर की गैस वितरण व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत महसूस की जा रही है। नागरिकों ने वर्तमान आवश्यकता के साथ भविष्य में प्रस्तावित नगर निगम क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई LPG गैस एजेंसी शुरू करने की मांग की है। सुयश रघुवंशी का कहना है कि विदिशा के अर्बन क्षेत्र का लगातार विस्तार हो रहा है। नए आवासीय क्षेत्रों के विकसित होने के साथ LPG

उपभोक्ताओं की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। यदि विदिशा को नगर निगम का दर्जा मिलता है और शहरी सीमा का विस्तार होता है तो आने वाले समय में गैस वितरण व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि संबंधित तेल विपणन कंपनियों को विदिशा अर्बन क्षेत्र में LPG उपभोक्ताओं की संख्या, मौजूदा गैस वितरकों की क्षमता, रिफिल बुकिंग और होम डिलीवरी व्यवस्था का सर्वे कराना चाहिए। साथ ही भविष्य में बढ़ने वाले उपभोक्ता आधार का आकलन कर नई LPG डिस्ट्रीब्यूटरशिप की आवश्यकता तय की जानी चाहिए।

होम डिलीवरी और आपूर्ति में मिलेगी सुविधा

नई गैस एजेंसी शुरू होने से उपभोक्ताओं को रिफिल बुकिंग और होम डिलीवरी की सुविधा बेहतर मिलने की उम्मीद है। इससे सिलेंडर की आपूर्ति अधिक सुचारु और समयबद्ध हो सकेगी। इसके अलावा नई एजेंसी के संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

आंगनवाड़ी में नन्हे कान्हा-राधा ने मनाई जन्माष्टमी, सविता यादव ने अपने हाथों से खिलाई खीर-पूड़ी और माखन

वार्ड नंबर-01 की आंगनवाड़ी में दिखा भक्ति और वात्सल्य का अनोखा संगम, सविता यादव की पहल की वार्डवासियों ने की सराहना

युग प्रदेश, भैरुंदा

कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नगर भैरुंदा के वार्ड नंबर-01 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में नन्हे-मुन्ने बच्चों के बीच जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही उत्साह और पारंपरिक अंदाज में मनाया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता यादव ने बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण और राधा के रूप में सजाकर पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। नन्हे बच्चे जब कान्हा और राधा की पोशाक पहनकर आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचे तो पूरा माहौल कृष्णमय हो गया। किसी नन्हे कान्हा के सिर पर मोर मुकुट सजा था तो कोई राधा के रूप में बेहद आकर्षक नजर आ रही थी। बच्चों की मासूम मुस्कान और कृष्ण-राधा के रूप में उनकी साज-सज्जा ने सभी का मन मोह लिया।

सुभाष कॉलोनी में हो रही पहल की चर्चा

वार्ड नंबर-01 की सुभाष कॉलोनी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता यादव की इस पहल की जमकर सराहना की जा रही है। वार्डवासियों का कहना है कि छोटे बच्चों के बीच इस तरह त्योहार मनाने से उन्हें हमारी संस्कृति, परंपराओं और पर्वों की जानकारी मिलती है। जन्माष्टमी के अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र में सजे नन्हे राधा-कृष्ण, उनके चेहरे की खुशी और सविता यादव का बच्चों के प्रति स्नेह पूरे आयोजन की सबसे खूबसूरत तस्वीर बन गया। एक तरफ जन्माष्टमी की भक्ति, दूसरी तरफ बच्चों के प्रति ममता–सविता यादव की इस पहल ने पर्व को बना दिया यादगार।

मैडम ने खुद अपने हाथों से खिलाया प्रसाद

आयोजन की सबसे खास तस्वीर उस समय देखने को मिली, जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता यादव ने कृष्ण-राधा बने बच्चों को अपने हाथों से खीर, पूड़ी और माखन खिलाया। बच्चों के प्रति उनका यह स्नेह और वात्सल्य देखते ही बन रहा था।

बिजनेस न्यूज

सीजी पावर ने भारत की पावर इंफ्रास्ट्रक्चर मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को किया मजबूत

सीहोर। इंजीनियरिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योग की अग्रणी कंपनी सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड (सीजी) ने आज मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित अपनी नई ग्रीनफील्ड विनिर्माण इकाई से पहले पावर ट्रांसफॉर्मर के तैयार होने की घोषणा की। 50 एकड़ में फैली यह इकाई भारत की सबसे बड़ी सिंगल-लोकेशन पावर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण सुविधा है। यहां 220 केवी से 1200 केवी श्रेणी के पावर ट्रांसफॉर्मर बनाए जाएंगे और इसकी क्षमता हर महीने 35 पावर ट्रांसफॉर्मर तैयार करने की है। पहले ट्रांसफॉर्मर के तैयार होने के अवसर पर मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को हासिल करने में बिजली एक महत्वपूर्ण घटक है। इस तरह की विनिर्माण सुविधा हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरणों के क्षेत्र में भारत की क्षमता को मजबूत करती है और बिजली की कमी वाले देश से बिजली की पर्याप्त उपलब्धता वाले राष्ट्र की ओर हमारे बदलाव में सहयोग करती है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में इस तरह का औद्योगिक निवेश स्थानीय युवाओं के लिए अवसर पैदा करता है और समुदायों के विकास में योगदान देता है। सीजी की यह सुविधा सीहोर में 2,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगी। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास करती रहेगी कि मध्य प्रदेश में किए गए प्रत्येक निवेश प्रस्ताव का जमीन पर वास्तविक कारखाने के रूप में क्रियान्वयन हो और उसका लाभ मध्य प्रदेश की जनता को मिलता रहे।' सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड के चेयरमैन वेल्लयन सुब्बैया ने कहा, 'भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसके साथ बिजली की मांग भी बढ़ेगी। सीजी करीब नौ दशकों से ट्रांसफॉर्मर और स्विचगियर समेत इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर उपकरणों के क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों में रही है और यह विरासत हमारी नई सीहोर सुविधा में दिखाई देती है। दुनिया के सबसे बड़े पावर ट्रांसफॉर्मर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर स्थापित यह सुविधा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगी और साथ ही निर्यात में भी योगदान देगी।'

कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स ने भारत में छोटे हथियार और काउंटर-यूएएस क्षमता विकसित करने के लिए एफएन हर्स्टल के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली। भारत फोर्ज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड (केएसएसएल) और एफएन ब्राउनिंग ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एफएन हर्स्टल ने आज भारत की रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थानीय विनिर्माण और औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी भारत की छह दशक लंबी उन्नत इंजीनियरिंग और बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी-आधारित विनिर्माण क्षमता को एफएन हर्स्टल के छोटे हथियारों और एकीकृत हथियार प्रणालियों के क्षेत्र में 135 से अधिक वर्षों के वैश्विक अनुभव के साथ जोड़ेगी। समझौता ज्ञापन के तहत केएसएसएल और एफएन हर्स्टल भारत में एक समर्पित उत्पादन केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं का मूल्यांकन करेंगे। इसके साथ ही भारतीय बाजार के लिए एफएन हर्स्टल की विभिन्न रक्षा प्रणालियों को कवर करने वाले रणनीतिक गठबंधन/संयुक्त उपक्रम की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। इसमें छोटे हथियार, एकीकृत हथियार प्रणालियां और काउंटर-मानवरहित हवाई प्रणाली (C-UAS) समाधान शामिल होंगे। यह पहल भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति के अनुरूप है।

मानव सुथार ने काउंटी डिविजन वन में लिए 7 विकेट

वारविकशायर ने हैम्पशायर को पारी और 129 रन से हराया, रॉब येट्स ने जड़ा शतक

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के साउथैंप्टन में काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन-1 के मुकाबले में भारतीय स्पिनर मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी की। वारविकशायर की ओर से खेल रहे सुथार ने हैम्पशायर की दोनों पारियों में कुल 7 विकेट लिए। उनकी टीम ने हैम्पशायर को पारी और 129 रन से हराया।

हैम्पशायर ने टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी

मुकाबले की शुरूआत में हैम्पशायर के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, वारविकशायर के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। वारविकशायर ने अपनी पहली पारी में मजबूत बल्लेबाजी करते हुए 398 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। वारविकशायर की ओर से सलामी बल्लेबाज रॉब येट्स ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उन्होंने 208 गेंदों का सामना करते हुए 13 चौके और 1 छक्के की मदद से 109 रन बनाए। उनके अलावा सैम हेन ने 90 रन, डैन मौसली ने 77 रन और काय स्मिथ ने 51 रन का अहम योगदान दिया। हैम्पशायर की ओर से गेंदबाजी करते हुए काइल एबोट ने पहली पारी में सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

पहली पारी में 115 रन पर सिमटी हैम्पशायर

398 रनों के जवाब में उतरी हैम्पशायर की पहली पारी भारतीय स्पिनर मानव सुथार और वारविकशायर के तेज गेंदबाजों के सामने ढह गई। पूरी टीम पहली पारी में महज 115 रनों पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर के लिए टोबी एल्बर्ट ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए। वारविकशायर के लिए पहली पारी में मानव सुतार ने बेहद किफायती और खतरनाक गेंदबाजी करते हुए 16 ओवर में 42 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उनके साथी गेंदबाज इथान बांबर और ओलिवर हानन ने भी शानदार साथ निभाते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए।

283 रन की लीड मिलने पर मिला फॉलोऑन : पहली पारी के आधार पर वारविकशायर को 283 रनों की विशाल बढ़त मिली, जिसके बाद उन्होंने हैम्पशायर को फॉलोऑन खेलने के लिए मैदान पर उतारा। दूसरी पारी में भी हैम्पशायर के बल्लेबाज भारतीय स्पिनर के सामने असहाय नजर आए। हैम्पशायर की पूरी टीम दूसरी पारी में केवल 154 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में टीम के लिए जैक लेहमैन ने 42 रन, बेन मायेस ने 31 रन और टोबी एल्बर्ट ने 27 रन बनाए। दूसरी पारी में मानव सुथार की फिरकी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला। उन्होंने 23.3 ओवर में 52 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उनके अलावा इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स और ओलिवर हानन को 2-2 सफलताएं मिलीं। दोनों पारियों को मिलाकर मानव ने 7 विकेट चटकाकर टीम की बड़ी जीत में मुख्य भूमिका निभाई।

भारत जूनियर मेंस हॉकी एशिया कप में 14-0 से जीता

इंडोनेशिया को हराया, प्रभदीप ने 5 और अनमोल ने 4 गोल किए

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की जूनियर मेंस हॉकी टीम ने चीन के मोकी में जूनियर एशिया कप 2026 की शुरूआत 14-0 की बड़ी जीत से की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को हराया। प्रभदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 5 गोल किए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने 4, अजीत यादव ने 3, जबकि हरपाल और आशु मौर्य ने 1-1 गोल किया।

पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त : भारत ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और इंडोनेशिया पर लगातार दबाव बनाए रखा। प्रभदीप ने 5वें मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद हरपाल ने 8वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इंडोनेशिया भारतीय टीम के तेज हमलों और लगातार मूवमेंट का सामना नहीं कर सका। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

हाफ-टाइम तक स्कोर 6-0 : दूसरे क्वार्टर में कप्तान अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी। प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। हाफ-टाइम तक भारत 6-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा : तीसरे क्वार्टर में अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। इसके बाद तीसरे क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले प्रभदीप ने एक और गोल किया। इससे स्कोर 9-0 हो गया।

वैभव और तिलक को मिली दलीप ट्रॉफी फाइनल में खेलने की अनुमति

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी का फाइनल रविवार से होना है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में साउथ जोन और ईस्ट जोन के बीच खेला जाएगा। साउथ ने नॉर्थ जबकि ईस्ट ने सेंट्रल जोन को हराकर फाइनल में जगह पक्की की है। भारतीय टीम को 13 सितंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है। दलीप ट्रॉफी का अंत 10 सितंबर को होगा।

तिलक और वैभव खेलेंगे दलीप ट्रॉफी फाइनल : रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर को फैसला लेना था कि टी20 टीम में शामिल तिलक वर्मा , वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन खेलेंगे या नहीं। ये तीनों खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी फाइनल में खेलते दिखेंगे। ईशान ईस्ट जोन के कप्तान हैं तो तिलक वर्मा साउथ जोन की कप्तानी कर रहे हैं। 10 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय खिलाड़ियों को दिल्ली पहुंचना है।

केएल राहुल फाइनल में नजर नहीं आएंगे : तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के लिए खेलेंगे। वहीं टेस्ट टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल इस मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। पडिक्कल ने श्रीलंका दौरे पर टेस्ट में भारत के लिए नंबर-3 पर कमाल की बैटिंग की थी। दो मैचों में दो शतक लगाकर पडिक्कल ने प्लेयर ऑफ द सीरीज का भी अवॉर्ड अपने नाम किया था।

68 गेंद रहते पाकिस्तान को दी करारी शिकस्त

एशिया कप में भारतीय महिलाओं ने लगाई जीत की हैट्रिक

एजेंसी, दुबई

महिला एशिया कप 2026 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 68 गेंद रहते आसानी से 7 विकेट से हरा दिया है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में 55 रन पर सिमट गई। यह टीम का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे छोटा स्कोर है। भारतीय टीम ने 8.4 ओवर में मैच को अपने नाम कर लिया। भारत ने टूर्नामेंट में जीत की हैट्रिक लगा दी है। वहीं पाकिस्तान का यह दूसरा मुकाबला था और टीम की पहली हार है।

पाकिस्तान की बैटिंग चली ही नहीं : सलामी जोड़ी के रूप में मुनीबा अली ने शवाल जुल्फिकार के साथ 4.3 ओवरों में 27 रन की साझेदारी की। मुनीबा 15 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुईं। उनकी इस पारी में 1 चौका भी शामिल रहा। अगले ओवर में श्री चरणी ने गुल फिरोजा (0) और जुल्फिकार (14) का विकेट भी गंवा दिया। महज 29 के स्कोर तक टीम अपने 3 विकेट खो चुकी थी, जिसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि 35 के स्कोर तक पाकिस्तान के 6 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद उम्म-ए-हानी ने एमान फातिमा के साथ सातवें विकेट के लिए 24 गेंदों में 10 रन जुटाए, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद एक बार फिर टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। भारत के लिए श्री चरणी ने 4 ओवरों में 7 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि प्रेमा रावत ने इतने ही ओवरों में 9 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3.1 ओवरों में 5 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

फातिमा सना ने पावरप्ले में तीन विकेट झटके : भारत के लिए शेफाली वर्मा ने पारी की पहली ही गेंद पर छक्का मारा। दूसरे ओवर में पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने दो विकेट झटक लिए। उन्होंने पहले शेफाली वर्मा को आउट किया।

ऑटो में सीएनजी भरने से मना किया तो पेट्रोल पंप कर्मचारी पर चलाई गोली

ऑटो में सीएनजी भरने से मना किया तो पेट्रोल पंप कर्मचारी पर चलाई गोली

युग प्रदेश, मुरैना

जिले के जौरा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एमएस रोड स्थित मित्तल पेट्रोल पंप पर सीएनजी भरने से मना करने को लेकर हुए विवाद ने अचानक गंभीर रूप ले लिया। एक ऑटो चालक युवक ने पेट्रोल पंप के कर्मचारी पर कथित रूप से कट्टे से फायर कर दिया। कर्मचारी के समय रहते झुक जाने से गोली उसे नहीं लगी और वह बाल-बाल बच गया। गोली पेट्रोल पंप के इलेक्ट्रिक पैनल में जाकर लगी। घटना के बाद पंप पर मौजूद कर्मचारियों और ग्राहकों में दहशत फैल गई। गोली चलाने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

सीएनजी मशीन में गोली लगती तो हो सकता था बड़ा हादसा

पेट्रोल पंप संचालक विकास मित्तल ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि गोली यदि इलेक्ट्रिक पैनल के बजाय सीएनजी मशीन या किसी संवेदनशील हिस्से में लगती तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी। पेट्रोल पंप पर ज्वलनशील ईंधन और सीएनजी की मौजूदगी के कारण किसी भी प्रकार की लापरवाही बड़ा हादसा करा सकती थी। गोली चलने की घटना के बाद पेट्रोल पंप पर काफी देर तक दहशत का माहौल बना रहा।

एक्सपायरी सीएनजी प्लेट : बताकर कर्मचारी ने किया था मना

मित्तल पेट्रोल पंप के संचालक विकास मित्तल के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 1 बजे देवा बघेल निवासी स्यारू अपना ऑटो लेकर सीएनजी भरवाने के लिए पेट्रोल पंप पर आया था। पंप कर्मचारी रानू शर्मा ने ऑटो की सीएनजी प्लेट एक्सपायरी होने की बात कहते हुए उसमें सीएनजी भरने से मना कर दिया। कर्मचारी ने यह भी बताया कि ऑटो चालक पर पहले से 350 रुपये बकाया हैं। सीएनजी नहीं भरने की बात को लेकर देवा बघेल कथित रूप से नाराज हो गया। आरोप है कि उसने कर्मचारी रानू शर्मा के साथ गाली-गलौज की और उसे जान से मारने की धमकी दी।

बाल विवाह की रोकथाम में शिक्षकों की अहम भूमिका विषय पर परिचर्चा और शिक्षकों का सम्मान समारोह हुआ आयोजित

युग प्रदेश, दमोह

सीएम राइस विद्यालय में संकल्प समाजसेवी संस्था द्वारा शिक्षक दिवस पर एक परि चर्चा और शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। दरअसल बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के उद्देश्य से जस्ट राइट और संकल्प समाजसेवी संस्था दमोह लगातार प्रयासरत है इनके द्वारा लगातार बाल विवाह रोकने प्रयास किया जा रहे हैं। इसी क्रम में शिक्षक दिवस पर दमोह के सीएम राइस विद्यालय में एक परीचर्चा का आयोजन किया गया। बाल विवाह की रोकथाम में शिक्षकों की अहम भूमिका विषय पर उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार रखें। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाजसेवी संगीता श्रीधर पूर्व नपा अध्यक्ष मालती असटी, रोजी बग्गा, रश्मि वर्मा, अभिनेता मनीष सोनी, शिक्षक विपिन चौबे, शाला के प्राचार्य श्री कुर्मी मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार रखें। संकल्प समाज सेवी संस्था के संयोजक देवेंद्र दुबे ने कार्यक्रम के प्रयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

वही यहां पर उपस्थित जिले भर के वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया। दरअसल 27 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस मनाया जाएगा। इसको लेकर भी उपस्थितियों द्वारा अपने-अपने विचार रखे गए। संचालन खुशबू तिवारी ने किया।

संक्षिप्त समाचार

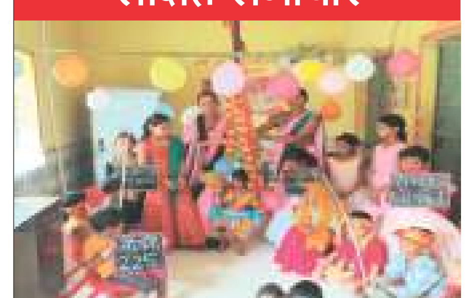

जीगनी आंगनवाड़ी केंद्र पर उत्साह से मनाया जन्माष्टमी पर्व

मुरैना। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी जीगनी आंगनवाड़ी केंद्र पर उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र में विशेष पोषण आहार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों एवं हितग्राहियों को सब्जी, खीर, पूरी और लड्डू का वितरण किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर जीगनी सेंटर के गांव में भी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक इन गतिविधियों में भाग लिया और भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र की पर्यवेक्षक श्रीमती वंदना दंडोतिया, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सारिका, सहायिका श्रीमती शांति देवी सहित बड़ी संख्या में बच्चे एवं अन्य हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक पर्वों के महत्व से भी अवगत कराया गया।

दिव्यांगों द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया

दमोह। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय न्यास सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा पंजीकृत संस्था निशक्त व्यक्ति अभिभावक संघ जबलपुर द्वारा संचालित प्रेरणा विशेष शिक्षा संस्थान एवं पुनर्वास केंद्र दमोह में बड़े हर्षोल्लास के साथ दिव्यांगों ने अपने विशेष शिक्षकों के साथ शिक्षक दिवस मनाया तथा अपने शिक्षकों को श्रीफल एवम् कलम देकर सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को उपहार दिए कार्यक्रम में हमारे अध्यक्ष अभय दुबे ने शिक्षक दिवस के बारे में संबोधित कर यह बताया कि शिक्षक के साथ-साथ इन विशेष बच्चे भी हमें बहुत सारी शिक्षा देते हैं ये हमें भी धैर्यएविश्वास और सम्मान करना सीखते हैं। कार्यक्रम में संचालिका श्रीमती अनीता दुबे, शिक्षिका शिखा खरे, मानसी रैकवार, आकांक्षा रैकवार, प्रवीण पटेल, उषा नामदेव, अभिषेक दुबे, हमारे दिव्यांग बच्चे अपने अपने माता-पिता के साथ उपस्थित हुए।

भारी बारिश से बाजार में भरा पानी, दुकानों में नुकसान

जल निकासी की व्यवस्था और मुआवजे के लिए माकपा देगी ज्ञापन

युग प्रदेश, कैलारस

गत रात्रि हुई भारी बारिश के चलते नगर के मुख्य बाजार में पानी भर गया। कई दुकानों में पानी घुसने से सामान खराब हो गया और दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने और रेलवे द्वारा बाबा की बगिया से नगर पालिका कार्यालय के सामने तक संकीर्ण नाला बनाए जाने के कारण स्थिति गंभीर हुई। माकपा नेताओं ने बाजार पहुंचकर प्रभावित दुकानदारों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। दुकानदारों की सहमति से मंगलवार को नगर पालिका के साथ प्रशासनिक एवं रेलवे अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है।

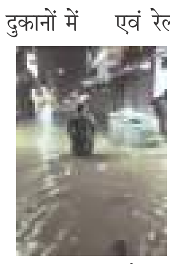

ज्ञापन में जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करने तथा प्रभावित दुकानदारों को मुआवजा देने की मांग की जाएगी। माकपा नेता एवं पूर्व नपा अध्यक्ष अशोक तिवारी, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता, नगर सचिव ओमप्रकाश श्रीवास और पूर्व पार्षद इब्राहिम शाह ने बड़े नाले का निर्माण कराने की मांग की है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर निकली भव्य शोभायात्रा

युग प्रदेश, पथरिया

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। वार्ड क्रमांक 15 स्थित कारस देव मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ जो नगर के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों से होते हुए पुनः यथावत स्थान पर पहुंची। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे नगर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। शोभायात्रा में यादव समाज के मोनिया सहित नगर के सर्व समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यात्रा जैसे-जैसे नगर के प्रमुख मार्गों से आगे बढ़ी वैसे-वैसे श्रद्धालुओं की

भीड़ बढ़ती गई। जगह-जगह लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से नगर का वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं में पर्व को लेकर अच्छा खासा उत्साह नजर आया। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शोभायात्रा में भाग लेकर श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। शोभायात्रा के दौरान पथरिया पुलिस की भूमिका भी सराहनीय रही। पुलिस बल लगातार प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर तैनात रहा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में जुटा रहा। पुलिसकर्मी शोभायात्रा के आगे-पीछे व्यवस्था संभालते हुए मुख्य सडकों पर श्रद्धालुओं के लिए रास्ता बनाते नजर आए जिससे शोभायात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। जन्माष्टमी के अवसर पर निकली इस भव्य शोभायात्रा ने नगर को पूरी तरह कृष्णमय कर दिया। ौर खास बना दिया।

कलियासोत समेत कई बाधों के गेट खुले, नदियां उफान पर, प्रदेश में अब तक 30 इंच बारिश

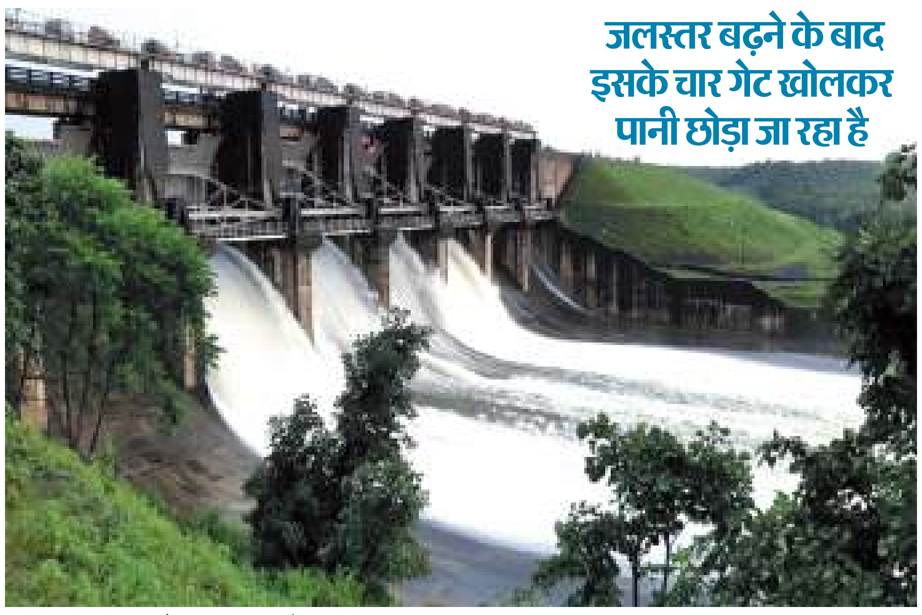
जलस्तर बढ़ने के बाद इसके चार गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

प्रदेश में लगातार बारिश से बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। भोपाल के कलियासोत समेत कई बांधों के गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। प्रदेश में अब तक करीब 30 इंच बारिश हो चुकी है और मौसम विभाग ने 19 जिलों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी दी है।

प्रदेश में बारिश का दौर अभी थमा नहीं है। लगातार पानी गिरने से नदियों के साथ बांधों में भी जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। हालात यह हैं कि कई जलाशयों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए गेट खोलने पड़ रहे हैं। भोपाल में कलियासोत डैम के दो गेट खोले गए हैं। शिवपुरी में मड़ीखेड़ा डैम 90.49 प्रतिशत भर चुका है। जलस्तर बढ़ने के बाद इसके चार गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं हरसी डैम के वेस्ट वियर से करीब डेढ़ फीट ऊपर पानी बह रहा है। श्योपुर का आवदा डैम भी 45 फीट की भराव क्षमता पूरी कर ओवरफ्लो हो रहा है।

प्रदेश में अब तक 30 इंच बारिश

मध्य प्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक करीब 762.7 मिलीमीटर यानी 30 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। सामान्य बारिश करीब 816 मिलीमीटर यानी 32.1 इंच मानी जाती है। इस लिहाज से प्रदेश में अभी करीब 2.1 इंच बारिश कम है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में हुई लगातार बारिश से कमी तेजी से घट रही है। पूर्वी मध्य प्रदेश में बारिश अब सामान्य से 3 प्रतिशत ज्यादा हो चुकी है, जबकि पश्चिमी हिस्से में औसत से 15 प्रतिशत कम बारिश दर्ज हुई है।

भोपाल में कलियासोत के गेट खुले

भोपाल में लगातार बारिश के बाद कलियासोत डैम का जलस्तर बढ़ा। इसके बाद दो गेट खोलकर अतिरिक्त पानी की निकासी शुरू की गई। राजधानी में इससे पहले भदभदा डैम से भी पानी छोड़ा गया था।

बान सुजारा के 8 गेट खुले

टीकमगढ़ के बान सुजारा बांध में भी पानी लगातार बढ़ रहा है। बांध के आठ गेट खोलकर धसान नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। चार गेट 0.75 मीटर और चार गेट 0.50 मीटर खुले हैं। यहां से करीब 668 घन मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पानी छोड़ा जा रहा है। बांध का जलस्तर 315 मीटर तक पहुंच गया है, जबकि इसकी भराव क्षमता 316.50 मीटर है।

श्योपुर में नदियों का जलस्तर बढ़ा

लगातार बारिश के कारण श्योपुर की अमराल नदी तेज बहाव के साथ उफान पर है। कूनो नदी का पानी रेशम कॉलोनी तक पहुंच चुका है। क्वारी नदी भी खतरे के निशान के करीब है। कदवाल नदी का पानी किला गेट क्षेत्र तक पहुंच गया है। नदी-नालों में पानी बढ़ने के साथ कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

कोलांस 7 फीट ऊपर, निगम पर अपर लेक का एफटीएल 1666.80 पर बनाये रखने की चुनौती

भोपाल। राजधानी में हो रही मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर नगर निगम के दावों और तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कोलांस नदी अपने उफान पर है और खतरे के निशान से 7 फीट ऊपर बह रही है। कोलांस का यह रौद्र रूप सीधे बड़ा तालाब (अपर लेक) में जहर घोलने का काम कर रहा है, क्योंकि हर सेकंड लाखों गैलन पानी तालाब में समा रहा है।अब सारा दारोमदार और नगर निगम की असली परीक्षा एफ टीएल 1666.80 फीट के आंकड़े पर टिकी है। बड़ा तालाब को इस तय लेवल पर बनाए रखना निगम के इंजीनियरों और अधिकारियों के लिए 'लोहे के चने चबाने' जैसा साबित हो रहा है।

भदभदा के गेट खोले, फिर भी थम नहीं रही धड़कनें

बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए आनन-फानन में भदभदा डैम के गेट खोलने पड़े हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या निगम प्रशासन के पास पानी के इस इनफ्लो को संभालने का कोई पुख्ता कंक्रीट प्लान है? कोलांस नदी जिस रफ्तार से तालाब को भर रही है, उससे बड़ा तालाब का पेट छोटा पड़ता नजर आ रहा है।

कागजी दावों और 'एफटीएल' की जंग

हर साल मानसून से पहले नगर निगम आपदा प्रबंधन के बड़े-बड़े दावे करता है। लेकिन जब कोलांस जैसी नदियां उफान पर आती हैं, तो निगम की सांसें अटक जाती हैं। चुनौती सिर्फ गेट खोलने की नहीं है, चुनौती यह है कि निचली बस्तियों का क्या होगा? यदि एफटीएल 1666.80 से एक इंच भी ऊपर गया या अचानक ज्यादा पानी छोड़ा गया, तो भोपाल की आधी दर्जन से अधिक निचली बस्तियां जलमग्न हो जाएंगी। कोलांस के उफान और तालाब के ओवरफ्लो होने से आस-पास के ग्रामीण और रिहायशी इलाकों में बैकवाटर का पानी घुसने लगा है।?

उठ रहे हैं सवाल

आपदा प्रबंधन या सिर्फ इंतजार?अपर लेक का वाटर लेवल मेंटेन करना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह सटीक कैलकुलेशन और समय पर लिए गए फैसलों का खेल है। लेकिन हर बार की तरह इस बार भी निगम प्रशासन 'क्राइसिस मोड' में तब आता है जब पानी सिर के ऊपर से बहने लगता है। 7 फीट ऊपर बहती कोलांस इस बात का सबूत है कि आने वाले 24 घंटे भोपाल के लिए बेहद संवेदनशील हैं।अब देखना यह है कि नगर निगम अपनी तकनीकी सूझबूझ से तालाब के एफटीएल को संभाल पाता है, या फिर हमेशा की तरह ठीकरा 'अत्यधिक बारिश' के सिर फोड़कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है।

टेम्पल ऑफ संबोधि में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी महोत्सव श्रीकृष्ण-राधा संवाद ने किया भावविभोर

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर टेम्पल ऑफ संबोधि में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास, भक्ति और श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाया गया।

महोत्सव के अवसर पर वेदांत संत लाल साईजी महाराज ने अपने उद्बोधन में भगवान श्रीकृष्ण के ब्रजधाम आगमन की भावपूर्ण कथा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि महाभारत युद्ध के पश्चात श्रीकृष्ण अपने वचन को निभाने तथा राधा रानी से मिलने के लिए ब्रजधाम आते हैं। इस प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने श्रीकृष्ण और राधा रानी के बीच हुए संवाद को अत्यंत मार्मिक एवं भावपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया। संत लाल साईजी महाराज ने कहा कि श्रीकृष्ण और राधा का प्रेम केवल सांसारिक प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि यह जीव और परमात्मा के बीच के शाश्वत प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। राधा-कृष्ण के संवाद में विरह, प्रेम, प्रतीक्षा और आत्मिक मिलन की जो अनुभूति दिखाई देती है, वह भक्त के हृदय को परमात्मा के प्रति समर्पण का मार्ग दिखाती है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन धर्म, प्रेम, कर्म और लोककल्याण का संदेश देता है। जन्माष्टमी केवल भगवान के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके आदर्शों और शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने का भी अवसर है।

एक्टिवा सवार सुपरवाइजर को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर घटनास्थल पर हुई मौत

भोपाल। राजधानी में शनिवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक एक्टिवा सवार सुपरवाइजर की तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मौत होने का मामला सामने आया है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 50 साल के कुलदीप सक्सेना इस इलाके के शिवानी होम्स में रहते थे वह दीवानगंज स्थित एक फैक्ट्री में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे शनिवार सुबह 9 बजे के करीब वह करौंद इलाके में एक अस्पताल में रुटीन चेकअप के लिए अपनी एक्टिवा से जा रहे थे जब वह भानपुरा स्थित डी मार्ट और पीपुल्स अस्पताल के बीच पहुंचे तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक उनकी एक्टिवा को जोरदार टक्कर मार दी थी। लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस पुलिस के द्वारा समीप के पीपुल्स अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया था जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के समय उनकी बेटी कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी एक्सीडेंट की सूचना पाकर घबराई बेटी सीधे अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में पहुंची। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम किया है ट्रक को थाने में खड़ा किया गया है और फरार ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

महंगाई का असर..प्रतिमाएं हुई 20 प्रतिशत तक महंगी, फिर बनी प्लास्टर आफ पेरिस की मूर्तियां

भोपाल। गणेशोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शहर में प्रतिमा निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। बीते कई महीनों से मूर्तिकार भगवान गणपति की मूर्तियों के निर्माण में दिन रात जुटे हुए हैं। मूर्तियों को आकार देने का काम तेजी से जारी है। गणेश उत्सव समितियों के द्वारा मूर्तियों की बुकिंग भी शुरू कर दी है, इस वर्ष गणेशोत्सव समितियों और आम नागरिकों को लंबोदर की प्रतिमा खरीदने के लिए अपनी जेब थोड़ी ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। दरअसल इस बार महंगाई की मार प्रतिमाओं पर भी देखा जा रहा है। मूर्तिकारों का कहना है कि मिट्टी, रस्सी से लेकर रंग-रोगन तक दाम बढ़े हुए हैं, ऐसे में प्रतिमाओं के दाम 2 से 7 हजार महंगी हुई हैं। इस बार मुंबई के लालबाग के राजा प्रतिमा की डिमांड अधिक है। इनमें प्लास्टर आफ पेरिस की प्रतिमाएं भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कच्चे माल की कीमतों में उछाल और बढ़ती लागत का सीधा असर इस बार गणेश प्रतिमाओं के निर्माण पर पड़ रहा है। मूर्तिकारों के अनुसार, इस साल मिट्टी, रंग, विभिन्न सजावटी सामग्रियों और मजदूरी की लागत में खासी बढ़ोतरी हुई है. जिसके चलते गणेश मूर्तियों की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

बाणगंगा चौराहे पर फिर बड़ा हादसा होने से टला, 16 चका ट्रक के ब्रेक फेल, तेज रफ्तार से पीछे लुढ़का

भोपाल। राजधानी के बाणगंगा चौराहे पर शुक्रवार, 4 सितंबर की देर रात एक बार फिर उस समय बड़ा हादसा होने से टल गया जब माल से भरे एक 16 पहिया ट्रक के ब्रेक फेल हो गए। इसके बाद ट्रक तेज रफ्तार से पीछे की ओर लुढ़क गया। गनीमत रही कि रात के समय हादसा हुआ उस समय रोड पर ट्रैफिक नहीं था और मौके पर भीड़ कम थी। इससे कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर घायल हो गया। मोके पर मौजूद लोगो का कहना है कि अचानक ब्रेक फेल होने के बाद ट्रक बेकाबू होकर पीछे आता देख लोग डर गये गनीमत रही की कम लोग होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई। बाद में घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल ड्राइवर को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। गौरतलब है कि सालभर पहले इसी स्थान पर 12 मई 2025 को स्कूल बस के ब्रेक फेल होने से जानलेवा बड़ा हादसा हो गया था। उस एक्सीडेंट में एक स्कूटी सवार आयशा नामक डॉक्टर की मौत हो गई थी, और 6 लोग घायल हुए थे। बीती रात हुए ट्रक हादसे ने सालभर पुराने हादसे की यादें ताजा कर दी।

मप्र में शुरू होगी मोबिलिटी क्रांति

भोपाल। मध्यप्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुगम और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में यात्री परिवहन विजन समिट-2026 का आयोजन 11 और 12 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होने वाली दो दिवसीय समिट का प्रमुख केंद्र मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा रहेगा। समिट में निजी बस ऑपरेटर, नीति निर्माता, परिवहन प्राधिकरण, बस निर्माता, टेक्नोलॉजी कंपनियां, निवेशक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के प्रतिनिधि प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने पर मंथन करेंगे। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत 100 प्रतिशत पीपीपी मॉडल पर बसों के संचालन और अत्याधुनिक मोबिलिटी इकोसिस्टम विकसित करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इसमें इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन मोबिलिटी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, डिजिटल टिकटिंग, फ्लीट मैनेजमेंट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई एवं एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस और परिवहन वित्त जैसे क्षेत्रों पर विशेष चर्चा होगी।

कैसे हो स्वाइन फ्लू की जांच? जीएमसी में जांच किट ही नहीं

खतरा बढ़ता देख जेपी में अलग वार्ड बनाने की तैयारी

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

राजधानी में स्वाइन फ्लू के लक्षणों वाले मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। लेकिन जीएमसी में किट नहीं होने के कारण अब तक जांच नहीं हो रही है। इसके बावजूद बढ़ते मरीजों को देखते हुए हमीदिया अस्पताल में संदिग्धों के लिए अलग रखने के लिए आईसोलेशन वार्ड बनाया गया है। वहीं जेपी अस्पताल में अलग वार्ड बनाने की तैयारी चल रही है। फिलहाल हमीदिया अस्पताल में चार मरीज भर्ती हैं। वायरल संक्रमण से पीड़ित मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य महकमा जांच किट की व्यवस्था में लगा हुआ है। बता दें कि स्वाइन फ्लू के संदिग्ध केस को देखते हुए स्वास्थ्य निवभाग ने आठ दिन पहले जीएमसी की वायरोलॉजी लैब में स्वाइन फ्लू जांच शुरू करने के निर्देश दिए थे।

लेकिन जांच किट उपलब्ध नहीं होने से अब तक जांच शुरू नहीं हो सकी है। फिलहाल एम्स भोपाल और निजी अस्पतालों में स्वाइन फ्लू की जांच हो रही है। अभी तक स्वाइन फ्लू की पुष्टि नहीं होने पर डॉक्टर लक्षणों के आधार पर उपचार कर रहे हैं। निजी अस्पतालों और जांच केंद्रों में अब तक 11 मरीजों के स्वाइन फ्लू पॉजिटिव होने की जानकारी मिली है। उपचार के बाद ये मरीज स्वस्थ भी हो चुके हैं। हालांकि इन मामलों की स्वास्थ्य विभाग की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। निजी अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के संदिग्ध और इसमें मिलते-जुलते लक्षण वाले मरीजों की संख्या सरकारी अस्पतालों की तुलना में अधिक बताई जा रही है।

जेपी की ओपीडी में रोज आ रहे 70 मरीज

जेपी अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी में पिछले महीनों की तुलना में रोज 50 से 70 अधिक वायरल संक्रमण के मरीज पहुंच रहे हैं। इसे देखते हुए अस्पताल में अलग वार्ड बनाने पर विचार किया जा रहा है। अगस्त से वायरल संक्रमण बढ़ने के साथ एम्स भोपाल, हमीदिया और जेपी अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या करीब 20 से 25 प्रतिशत बढ़ी है। इनमें 30 से 35 प्रतिशत मरीज वायरल संक्रमण से पीड़ित पाए जा रहे हैं।

नशा मुक्ति केंद्र में बुजुर्ग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। राजधानी के कोलार इलाके में बने नशा मुक्ति केंद्र में भरती एक बुजुर्ग द्वारा शनिवार की दोपहर फांसी लगाकर जान देने का मामला सामने आया है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि इस इलाके के दानिश सेल्स में नशा मुक्ति केंद्र बना हुआ है यहां पर 63 साल के राजेंद्र दुबे को विगत दिनों नशा छुड़ाने भर्ती किया गया था राजेंद्र दोपहर 12 नशा मुक्ति केंद्र के बाथरूम में गए और वहां पाइप के सहारे फांसी के फंदा तैयार किया और उस पर लटक कर जान दे दी। कुछ देर बाद केंद्र के लोगों को इस मामले की जानकारी लगी पुलिस ने प्रबंधक अभिषेक सिंह की सूचना पर मौके पर पहुंचकर राजेंद्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए हमेदिया अस्पताल पहुंचाया और इस मामले में मर्ग कायम कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिक्षक अभ्यर्थियों के आंदोलन में दिग्विजय-जीतू की एंट्री

भूख हड़ताल खत्म, धरना जारी 8 को मंत्री के साथ बैठक

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

राजधानी में शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर 16 दिन से चल रही भूख हड़ताल खत्म हो गई। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आंदोलनकारियों से मुलाकात कर शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से फोन पर बात की।वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी आंदोलन स्थल पहुंचकर सरकार पर निशाना साधा। भोपाल में शिक्षक भर्ती में पद वृद्धि की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन ने शनिवार को राजनीतिक रंग ले लिया। नीलम पार्क में 16 दिनों से भूख हड़ताल कर रहे अभ्यर्थियों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पहुंचे। उन्होंने आंदोलनकारियों की मांगें सुनीं और मौके से ही स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से फोन पर चर्चा की। शिक्षा मंत्री ने बताया कि अभ्यर्थियों की मांगों से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अवगत कराया जा चुका है। बातचीत के बाद मंगलवार, 8 सितंबर को वर्ग-2 और वर्ग-3 के अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करने पर सहमति बनी।

दिग्विजय सिंह ने जूस पिलाकर खत्म कराया अनशन

बैठक के आश्वासन के बाद दिग्विजय सिंह ने आंदोलनकारियों से कहा कि सरकार के साथ बातचीत का रास्ता खुल गया है। इसके बाद उन्होंने अभ्यर्थियों को जूस पिलाकर भूख हड़ताल खत्म कराई। दिग्विजय सिंह ने कहा कि आगामी बैठक में अभ्यर्थियों की मांगों को सरकार के सामने मजबूती से रखा जाएगा और समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि अभ्यर्थियों का कहना है कि केवल भूख हड़ताल पर विराम लगा है धरना प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक पदों की वृद्धि नहीं हो जाती।

जीतू पटवारी भी पहुंचे, बोले- आप लड़ो, हम साथ खड़े हैं

दिग्विजय सिंह के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी नीलम पार्क पहुंचे। उन्होंने आंदोलन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उनकी मांगों का समर्थन किया। पटवारी ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षक अभ्यर्थी राजधानी में 16 दिन से भूखे बैठे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को लगातार कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा,आप अपनी लड़ाई लड़ो, हम आपके साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री जी, वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाइए और इन अभ्यर्थियों को न्याय दीजिए। पटवारी ने कहा कि त्योहार के समय भी महिला अभ्यर्थी अपने घर नहीं जा सकीं और भूख हड़ताल पर बैठी रहीं। उन्होंने सरकार से तत्काल पद बढ़ाने की मांग की।

मुआवजा दिया, फिर भी मेट्रो के लिए नहीं मिली जमीन

अब प्रशासन के समक्ष घर खाली कराने की चुनौती

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

बोगदा पुल से करोंद तक मेट्रो की राह आसान नहीं है। यहां मुआवजा देने के बाद भी रहवासी घर खाली नहीं कर रहे हैं। अब प्रशासन के समक्ष घर खाली कराकर मेट्रो रेल को सौंपना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। पातरा पुल से बरखेड़ी तक मेट्रो और सड़क चौड़ीकरण की जद में आए दो दर्जन से अधिक मकान मालिकों को मुआवजा बांटा जा चुका है, लेकिन 12 से अधिक मकान अब भी खाली नहीं हुए हैं। मुआवजें की राशि खातों में पहुंचने के बावजदू मकान खाली नहीं होने से इन्हें तोड़कर जमीन मेट्रो रेल कारपोरेशन को सौंपने की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। इसका असर सिर्फ मेट्रो निर्माण कार्य पर ही नहीं, बल्कि सड़क चौड़ीकरण और यातायात व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। पातरा पुल क्षेत्र में प्रभावित मकान मालिकों के बैंक खातों में मेट्रो रेल कारपोरेशन की ओर से मुआवजे की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है।

इसके बावजूद कई परिवारों ने अब तक मकान खाली नहीं किए हैं। प्रशासन के सामने अब इन भवनों को खाली कराकर जमीन मेट्रो रेल कारपोरेशन को सौंपने की चुनौती है। काजी कैंप में मेट्रो रूट और सड़क चौड़ीकरण की जद में करीब 300 मकानों के कुछ हिस्से आ रहे हैं। प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जा चुका है। कुछ रहवासियों ने अपने स्तर पर प्रभावित हिस्से हटाने की सहमति भी दी है।, लेकिन कार्रवाई की गति धीमी बनी हुई है। जब तक ये हिस्से हटेंगे नहीं, तब तक सड़क को पूरी चौड़ाई में विकसित करना मुश्किल है। बोगदा पुल-करोंद मेट्रो रूट में पातरा पुल, काजीकैंप और बड़ा बाग कब्रिस्तान क्षेत्र जमीन खाली कराने के लिहाज से चुनौतीपूर्ण हिस्से बने हुए हैं। इन क्षेत्रों में निर्माण हटने के बाद ही मेट्रो और सड़क चौड़ीकरण का काम रफ्तार पकड़ेगा।

बैरिकेडिंग ने घटाई सड़क की चौड़ाई

मेट्रो निर्माण के लिए की गई बैरिकेडिंग और प्रभावित हिस्सो के नहीं हटने से सड़क की उपलब्ध चौड़ाई कम हो गई है। नतीजा यह है कि काजींकैंप सहित आसपास के हिस्सों में वाहनों का दबाव बढ़ रहा है और रोजाना जाम की स्थिति बन रही है। रहवासियों का कहना है कि बैरिकेडिंग से पहले प्रभावित निर्माण हटाकर अस्थायी सउंक तैयार की जानी चाहिए थी, जिससे निर्माण के साथ यातायात भी चलता रहता।

स्वात्वधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक (स्वामी) भरत मेंघानी द्वारा युग प्रदेश के लिए जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इंनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं एफ-1 सतगुरु कॉम्पलेक्स मिनी मार्केट चौराहा बैरागढ़ भोपाल 462030 से प्रकाशित। संपादक- भरत मेंघानी*, स्थानीय संपादक- हरीश मेंघानी* समाचार पत्र में समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। डाक पंजीयन क्रमांक/एम.पी./भोपाल/1027/2022-2024 दूरभाषः ऑफिस नंबरः 0755-4030794 , 4262251 विज्ञापन- 9907078884 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) टी-9, 4 फ्लोर मल्टी लेवल पार्किंग न्यू मार्केट भोपाल Email:yugpradeshnews@gmail.com